सुविचार

अच्छे संस्कार और अच्छा व्यवहार आपकी वह कमाई है, जो जिंदगी भर आपके काम आती है।

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

जालंधर, वर्षः 16 अंक : 138 | दिनांक : बुधवार, 20 मई 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्कः | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्यः ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

वैभव सूर्यवंशी की तूफानी पारी से राजस्थान ने जयपुर में खोला जीत का खाता, प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा..

» पृष्ठ 7 पर

पंजाब बनेगा देश का पहला खंभा-मुक्त राज्यः सीएम मान

सतौज से 'रोशन पंजाब' मिशन की शुरुआत, बिजली तारें होंगी जमीनदोज, 384 खंभे हटेंगे, गांवों को मिलेगा सुरक्षित और निर्बाध बिजली नेटवर्क

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

19 मई (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य को देश का पहला खंभा-मुक्त गांवों वाला प्रदेश बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल करते हुए अपने पैतृक गांव सतौज में बिजली की तारों को जमीनदोज करने वाले प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया। इस परियोजना के तहत गांवों में बिजली के खंभों और ऊपर से गुजरने वाली तारों को हटाकर अंडरग्राउंड केबल नेटवर्क स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इसे रोशन पंजाब अभियान की शुरुआत बताते हुए कहा कि इससे गांवों को सुरक्षित, सुंदर और निर्बाध बिजली आपूर्ति वाला आधुनिक ढांचा मिलेगा।

8 करोड़ की लागत से शुरू हुआ ऐतिहासिक अंडरग्राउंड बिजली प्रोजेक्ट

करीब 8 करोड़ रुपये की लागत वाले इस पायलट प्रोजेक्ट के तहत सतौज गांव में 384 बिजली के खंभे हटाए जाएंगे। परियोजना में 7 किलोमीटर हाई टेंशन लाइन, 9.5 किलोमीटर लो टेंशन लाइन तथा 41 किलोमीटर सर्विस केबल जमीन के नीचे बिछाई जाएगी। गांव के 66 केवी ग्रिड से जुड़े तीन 11 केवी फीडरों और 28 ट्रांसफार्मरों की सभी बिजली लाइनें अंडरग्राउंड होंगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस काम के लिए ट्रेंचलेस ड्रिलिंग तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे सड़कों को खोदने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली की ऊपरी तारों के कारण किसानों और ग्रामीणों को लंबे समय से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता रहा है। खेतों में आग लगने, ट्रैक्टर-कंबाइन मशीनों के तारों से टकराने और करंट लगने जैसी घटनाओं में कई लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने अपने गांव के तीन युवकों की मौत का जिक्र करते हुए कहा कि यह प्रोजेक्ट उन युवाओं को सच्ची श्रद्धांजलि है और भविष्य में ऐसे हादसे रोकने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा।

भगवंत मान ने कहा कि जमीनदोज बिजली व्यवस्था से बिजली लीकेज और ट्रांसमिशन नुकसान में कमी आएगी, जबकि गांवों को 24 घंटे बेहतर बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। तेज बारिश, तूफान और हवाओं के दौरान बिजली बाधित होने की समस्या भी काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। साथ ही गांवों की सुंदरता भी बढ़ेगी और खंभों को लेकर होने वाली राजनीति खत्म होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सतौज मॉडल आने वाले समय में पूरे देश के लिए मिसाल बनेगा। उन्होंने दावा किया कि पंजाब सरकार लगातार डिजिटल और जनहितकारी सुधारों पर काम कर रही है।

इस दौरान उन्होंने ईजी रजिस्ट्री प्रणाली, मुख्यमंत्री सेहत योजना और महिलाओं के लिए शुरू की गई मावां धीयां सत्कार योजना का भी जिक्र किया। कार्यक्रम में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त न्यूज

नहीं रहे उत्तराखंड के पूर्व सीएम बीसी खंडूरी

लंबी बीमारी के बाद देहरादून के मैक्स अस्पताल में ली अंतिम सांस

देहरादून (ब्यूरो)- उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता मेजर जनरल (रिटायर्ड) भुवन चंद्र खंडूड़ी का मंगलवार को देहरादून के मैक्स अस्पताल में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने दो बार राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में काम किया था। उनके निधन पर मौजूदा सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी शोक जताते हुए उनके योगदान को याद किया। बता दें कि खंडूरी लंबे समय से बीमार थे और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा था।

सेना से राजनीति में आए थे बीसी खंडूरी

भुवन चंद्र खंडूड़ी सेना से राजनीति में आए और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के रूप में दो बार यानी 2007- 2009 और 2011- 2012 प्रदेश की कमान संभाली। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ बेहद कड़े कदम उठाए और राज्य में एक पारदर्शी और अनुशासित प्रशासन की नींव रखी। मेजर जनरल (रिटायर्ड) भुवन चंद्र खंडूड़ी गढ़वाल संसदीय क्षेत्र से 16वीं लोकसभा के सदस्य भी रहे थे। उन्होंने सेना से रिटायर होने के बाद राजनीति में कदम रखा था। उनकी बेटी ऋतु भूषण खंडूरी वर्तमान में उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष है।

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर BSF को मिलेगी जमीन

NHAI भी बनाएगा हाइवे, शुभेंदु सरकार का फैसला

कोलकाता (ब्यूरो)- पश्चिम बंगाल में सरकार बदलते ही, अब वह सब होने लगा है जिसकी मांग बीजेपी करती आ रही थी। पश्चिम बंगाल की शुभेंदु अधिकारी की सरकार ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए अहम फैसला लिया है। शुभेंदु सरकार ने सीमा से सटे जिलों में केंद्र सरकार की जमीन से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने का फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक, कैबिनेट की बैठक में इसे लेकर चर्चा हुई। नई चुनी गई शुभेंदु अधिकारी सरकार ने पश्चिम बंगाल के 9 जिलों में फैली 2,200 किलोमीटर लंबी सीमा पर फेंसिंग को मजबूत करने के लिए, एक महीने के अंदर 600 एकड़ से ज्यादा जमीन देने पर विचार किया है। 2200 किलोमीटर में से लगभग 1600 किलोमीटर पर पहले से ही फेंसिंग लगी है लेकिन अभी भी बहुत काम किया जाना बाकी है।

महिला सशक्तिकरण से मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था : मुख्यमंत्री

हिमाचल में ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के लिए मिलेगा तीन लाख तक ऋण, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने को कांग्रेस सरकार की नई पहल

» प्रथम न्यूज । शिमला

19 मई (बी शर्मा)

राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना' शुरू करने जा रही है। बजट घोषणा के अनुरूप आरम्भ की जा रही इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को कृषि, उद्यानिकी, डेयरी तथा अन्य स्वरोजगार गतिविधियों के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। सरकार का मानना है कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने से न केवल परिवारों की आय बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

योजना के अंतर्गत उन महिलाओं को लाभ मिलेगा, जिनके परिवार की वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक नहीं है। हिमाचल प्रदेश महिला विकास निगम के माध्यम से अनुसूचित बैंकों द्वारा तीन लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। यह ऋण डेयरी, मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन, खाद्य प्रसंस्करण, सिलाई, बुटीक और ब्यूटी पार्लर जैसी स्वरोजगार इकाइयों की स्थापना के लिए दिया जाएगा। विशेष बात यह है कि इस ऋण पर देय ब्याज का चार प्रतिशत राज्य सरकार स्वयं वहन करेगी, जिससे महिलाओं पर आर्थिक बोझ कम होगा।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और बदलती सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि महिलाएं सशक्त होंगी तो पूरा परिवार आर्थिक रूप से मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आय बढ़ाने के लिए सरकार ने प्राकृतिक खेती से तैयार गेहूं, मक्की, कच्ची हल्दी, पांगी क्षेत्र के जौ और अदरक के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया है। इसके अलावा दूध के खरीद मूल्य में भी ऐतिहासिक वृद्धि की गई है। सरकार ने गाय के दूध का खरीद मूल्य 51 रुपये से बढ़ाकर 61 रुपये प्रति लीटर तथा भैंस के दूध का मूल्य 61 रुपये से बढ़ाकर 71 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। दुग्ध प्रोत्साहन योजना के तहत दूध खरीद केंद्र तक स्वयं दूध पहुंचाने पर प्रति लीटर तीन रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है। वहीं, दूध परिवहन सब्सिडी में 1.50 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं का समर्थन मूल्य 60 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम, मक्की का 40 से 50 रुपये तथा कच्ची हल्दी का 90 से 150 रुपये प्रति किलोग्राम किया गया है। पहली बार अदरक के लिए भी 30 रुपये प्रति किलोग्राम समर्थन मूल्य घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए राज्य किसान आयोग के गठन की घोषणा भी की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है तथा ग्रामीण युवाओं को कृषि और डेयरी जैसे व्यवसायों से जोड़कर उन्हें सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराना है।

अमेरिका से भारत की बड़ी हथियार डील

चीन-पाकिस्तान की टेंशन! अपाचे हेलीकॉप्टर और तोप उड़ाएगी दुश्मन की नींद

अमेरिका ने भारत को अपाचे हेलीकॉप्टरों के लिए जरूरी सेवाएं और उनसे जुड़े उपकरण बेचने की मंजूरी दी

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

19 मई (एएम नाथ)

अमेरिका ने भारत को अपाचे हेलीकॉप्टरों के लिए जरूरी सेवाएं और उनसे जुड़े उपकरण बेचने की मंजूरी दे दी है। इसकी अनुमानित कीमत 19.82 करोड़ अमेरिकी डॉलर बताई गई है। यह जानकारी अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने दी। इसके अलावा अमेरिका ने एम777ए2 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर तोपों के रखरखाव और सहायता सेवाओं की बिक्री को भी मंजूरी दी है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 23 करोड़ अमेरिकी डॉलर है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, अपाचे हेलीकॉप्टरों से जुड़ी सेवाएं बोइंग और लॉकहीड मार्टिन कंपनियां देंगी। वहीं एम777ए2 हॉवित्जर तोपों की सहायता सेवाएं ब्रिटेन की कंपनी बीएई सिस्टम्स देगी, जिसका दफ्तर कंब्रिया में है। मंत्रालय ने बताया कि भारत ने एएच-64ई अपाचे हेलीकॉप्टरों के रखरखाव, तकनीकी सहायता, इंजीनियरिंग सहायता, रसद सहायता, तकनीकी दस्तावेज, प्रशिक्षण और अन्य जरूरी सेवाएं खरीदने का अनुरोध किया था। भारत ने एम777ए2 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर तोपों के लिए लंबे समय तक रखरखाव और सहायता सेवाएं खरीदने की भी मांग की थी। हेलीकॉप्टरों और हॉवित्जर तोपों से जुड़ी ये सेवाएं विदेशी सैन्य बिक्री व्यवस्था के तहत दी जाएंगी।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि इन सेवाओं की बिक्री से अमेरिका और भारत के बीच रणनीतिक संबंध और मजबूत होंगे। साथ ही इससे अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लक्ष्यों को भी समर्थन मिलेगा। यह डील इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इससे भारत की सैन्य ताकत और रक्षा तैयारियां मजबूत होंगी। अपाचे हेलीकॉप्टर और एम777 हॉवित्जर पहले से भारतीय सेना में इस्तेमाल हो रहे हैं, लेकिन उन्हें लंबे समय तक प्रभावी बनाए रखने के लिए नियमित रखरखाव, तकनीकी सहायता और उपकरण जरूरी होते हैं। अमेरिका की मंजूरी मिलने से भारत को इन हथियारों की बेहतर सर्विस और सपोर्ट मिलता रहेगा। इसके अलावा यह कदम भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रक्षा और रणनीतिक रिश्तों को भी दिखाता है, खासकर ऐसे समय में जब भारत अपनी सुरक्षा क्षमता को लगातार मजबूत करने पर जोर दे रहा है।

नीट के दोबारा एग्जाम को लेकर सरकार अलर्ट

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

19 मई (ब्यूरो)

NEET (UG) के रीएग्जाम को लेकर केंद्र सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई, जिसमें परीक्षा की सुरक्षा, पारदर्शिता और व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में धर्मेंद्र प्रधान ने निर्देश दिए कि पिछली परीक्षा में सामने आई सभी खामियों को पूरी तरह दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि री-NEET परीक्षा को पूरी तरह सुरक्षित, पारदर्शी और फुलप्रूफ तरीके से आयोजित किया जाना चाहिए।

कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने के निर्देश

मंत्री ने अधिकारियों को सख्त सुरक्षा व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी राज्यों में जिलाधिकारियों (DM) और पुलिस अधीक्षकों (SP) के साथ समन्वय बैठकें करने को कहा, ताकि परीक्षा व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जा सके।

हिमाचल शिक्षा विभाग में प्रशासनिक क्रांति की तैयारी

जिलों में खत्म होंगे 3 अलग-अलग उपनिदेशक, अतिरिक्त निदेशक संभालेंगे पूरी कमान

» प्रथम न्यूज । शिमला

19 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश में शिक्षा निदेशालय के पुनर्गठन के बाद अब जिला स्तर पर भी बड़े बदलाव की तैयारी की जा रही है। विभाग जिला स्तर पर शिक्षा उपनिदेशक कार्यालयों का पुनर्गठन करने जा रहा है। उपनिदेशक उच्च, प्रारंभिक और गुणवत्ता व इंस्पेक्शन की व्यवस्था समाप्त की जाएगी। विभाग हर जिला में एक-एक अतिरिक्त निदेशक का पद सृजित करेगा। इन तीनों उपनिदेशक कार्यालयों को इसके अधीन लाया जाएगा।

कौन सा उपनिदेशक जिला में क्या कार्य देखेगा, इसकी जिम्मेदारी अतिरिक्त निदेशक तय करेंगे। शिक्षा निदेशालय के पुनर्गठन के बाद यह दूसरा बड़ा बदलाव होगा। स्कूल शिक्षा निदेशालय ने इसका प्रस्ताव तैयार कर अंतिम मंजूरी के लिए राज्य सरकार को भेजा है।

शिक्षा विभाग के पुनर्गठन के बाद यह व्यवस्था करना आवश्यक हो गया है। स्कूल शिक्षा निदेशालय के अधीन अब प्री प्राइमरी से 12वीं तक की कक्षाएं आती हैं, जबकि जिला स्तर पर अभी पुरानी व्यवस्था लागू है। जिलों से डाटा मंगवाना, विभागीय पत्राचार सहित कई अन्य दिक्कतें प्रशासनिक स्तर पर आ रही हैं। इसलिए यह व्यवस्था बदलने का निर्णय लिया गया है।

हालांकि, सरकार की मंजूरी के बाद ही ये नियम लागू हो पाएंगे। सूत्रों के अनुसार, इस बदलाव से सरकार पर कितना अतिरिक्त व्यय पड़ेगा, इसे भी देखा जा रहा है।

हर जिला में तीन उपनिदेशक हैं। उपनिदेशक प्रारंभिक के पास कक्षा पहली से आठवीं तक का कार्यभार होता है, जबकि उच्चतर के पास 9वीं से 12वीं तक की व्यवस्था का जिम्मा है। विभाग ने हाल ही में यह व्यवस्था बनाई है कि यदि उपनिदेशक प्रारंभिक का पद रिक्त हो जाता है, तो उसका चार्ज उपनिदेशक उच्चतर को दिया जाएगा। इसके लिए विभाग अलग से आदेश जारी नहीं करता। यह व्यवस्था स्थायी रूप से कर दी गई है।

उपनिदेशक के 15 पद हैं रिक्त

शिक्षा विभाग में उपनिदेशक के कुल 41 पद सृजित हैं, जिनमें से 15 पद रिक्त हैं। इन्हें पदोन्नति से भरा जाता है। विभाग ने इन्हें भरने का प्रस्ताव भी सरकार को भेज दिया है।

राज्य सरकार को यह प्रस्ताव भेजा गया है। स्कूल शिक्षा निदेशालय का पुनर्गठन करने के बाद जिला स्तर पर कुछ बदलाव किए जाएंगे। सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही इसे लागू किया जाएगा।

-आशीष कोहली, निदेशक स्कूल शिक्षा विभाग।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज
Website : www.prathamnews.in

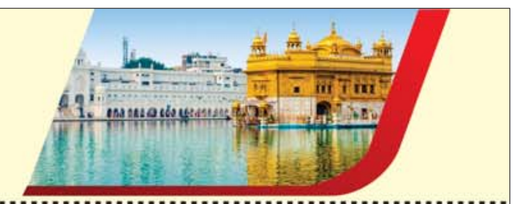

संक्षिप्त न्यूज

समाज में एकता बनाए रखने के लिए मिलकर कार्य करें : नासिर सलमानी

जालंधर, 19 मई (डोगरा)– नासिर सलमानी की अध्यक्षता मे ऑल इंडिया सलमानी वेलफेयर सोसाइटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नदीम सलमानी मीठापुर रोड के घर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नासिर सलमानी और अईयुब सलमानी नेशनल चेयरमैन नसीम सलमानी नेशनल वॉइस चेयरमैन मयूर सलमानी जालंधर प्रभारी और जालंधर जिला अध्यक्ष वाजिद सलमानी का फूल मालाओं से इस्तकबाल किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नासिर सलमानी ने कहा कि किसी भी समाज की तरक्की का सबसे बड़ा आधार शिक्षा होती है। उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चों को अच्छी शिक्षा देना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने समाज के लोगों से अपील की कि वे अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने के लिए आगे आएं और शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाएं। नासिर सलमानी ने समाज में एकता बनाए रखने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज की मजबूती आपसी भाईचारे और एकजुटता से ही संभव है। यदि समाज के सभी लोग मिलकर कार्य करें तो आने वाले समय में सलमानी समाज नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने भी समाज के विकास के लिए अपने विचार साझा किए और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। अंत में सभी सदस्यों ने शिक्षा और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के लिए मिलकर कार्य करने का निर्णय लिया। मुजम्मिल सलमानी नेशनल सैकटरी मुस्तकीम सलमानी तसलीम सलमानी वसीम सलमानी अयाज सलमानी मेहताब सलमानी खुर्शीद सलमानी सोनू सलमानी राशिद सलमानी जाकिर सलमानी आदि उपस्थित थे।

मां भद्रकाली मंदिर में हर मनोकामना पूर्ण होती है : अनुज खेमका

- खेमका परिवार ने मां के दरबार में टेका माथा

अमृतसर (साहिब दयाल) मां भद्रकाली मेले में अनुज खेमका और उनकी धर्मपत्नी मीनाक्षी खेमका और बेटा कपीश खेमका और उदित खेमका ने रविवार को मां भद्रकाली मंदिर में मां का आशिर्वाद लिया। भद्रकाली मंदिर में सुबह से लेकर रात तक माता रानी का कीर्तन हुआ। खेमका ने कहा कि इस मंदिर में जो भी मनोकामना मागो वह पूरी होती है। अनुज खेमका और उनके परिवार को मंदिर में सेवादार सुशील सितारा ने अनुज खेमका को फूल माला और मां की चुनरी देखकर और नारियल का प्रसाद देखकर उनको और उनके परिवार को सम्मानित किया। अनुज खेमका ने बताया कि मंदिर में सुबह से लेकर शाम तक लाइन लगती रही और सब ने माता रानी के चरणों में आशीर्वाद लिया।

पवित्र नगरी के 85 वार्डों में लगे गंदगी के ढेर, आप सरकार को कोस रही जनता : हरविंदर संधू

अमृतसर, 19 मई (साहिब दयाल) भाजपा जिलाध्यक्ष हरविंदर सिंह संधू ने भाजपा जिला कार्यालय शहीद हरबंस लाल खन्ना स्मारक में आयोजित बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान तथा आम आदमी पार्टी पंजाब की सरकार पर बरसते हुए कहा कि गुरुनगरी अमृतसर जो कि दुनिया भर से आने वाले श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र है और ऐसे पवित्र तथा धार्मिक शहर को कूड़े तथा गंदगी के ढेर में बदलने के लिए पंजाब की भगवंत मान सरकार सीधे रूप से जिम्मेवार है।

अमृतसर शहर के पांचों विधानसभा क्षेत्रों की 85 वार्डों में गंदगी के अंबार लगे हैं, जिससे जनता का जीना दुश्वार हो चुका है। अगर मुख्यमंत्री भगवंत मान अगर गुरुनगरी अमृतसर की जनता को उपरोक्त समस्यायों से निजात नहीं दिलवा सकते, तो उन्हें सरकार में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। इस अवसर पर डॉ. राम चावला, कुमार अमित, भाजपा पार्षद दल के नेता पार्षद गौरव गिल, सतपाल डोगरा, मोहित महाजन, गोपाल वर्मा आदि उपस्थित थे। हरविंदर सिंह संधू ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान जनता को मूलभूत सुविधाएं देने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं। शहर भर में साफ-सफाई की व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। मुख्य बाजारों से लेकर रिहायशी इलाकों तक, हर कोने में कचरे के ऊंचे-ऊंचे ढेर नजर आते हैं।

इस प्रशासनिक लापरवाही के कारण स्थानीय जनता का जीना मुहाल हो गया है और पूरे शहर पर महामारी का खतरा मंडराने लगा है। ?उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर निगम अधिकारीयों द्वारा जनता की उपरोक्त समस्याओं को जल्द हल नहीं किया गया तो भाजपा जनता को साथ लेकर भगवंत मान सरकार के विरुद्ध सड़कों पर उतरने से गुरेज नहीं करेगी।

खाड़ी युद्ध की आड़ में छुपाई जा रहीं आर्थिक नाकामियां : मान

पंजाब में डीएपी, तेल कीमतों और केंद्रीय एजेंसियों को लेकर केंद्र सरकार पर बरसे भगवंत मान

नरेंद्र मोदी की विदेश नीति पर मान का तंज, कहा- विश्व गुरु नहीं, विश्व चेला बना दिया

» प्रथम न्यूज । संगरूर
19 मई (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर विदेश और आर्थिक नीतियों में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे युद्ध की आड़ में लोगों का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने की कोशिश की जा रही है। संगरूर में हाई-टेंशन बिजली तारों को भूमिगत करने की परियोजना के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार देश को अघोषित लॉकडाउन जैसी स्थिति की ओर धकेल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के कई देश वैश्विक संकट और युद्ध जैसी परिस्थितियों से प्रभावित हैं, लेकिन भारत के अलावा किसी भी देश में नागरिकों से पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और सोना खरीदने में संयम बरतने की अपील नहीं की गई। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि लोगों में भय और असमंजस पैदा करने के बजाय तेल, एलपीजी और सोने के वास्तविक भंडार की स्थिति को सार्वजनिक किया जाए।

विदेश नीति पर निशाना साधते हुए भगवंत मान ने कहा कि जो सरकार कभी भारत को विश्व गुरु बनाने का दावा करती थी, वही अब देश को विश्व चेला बनाकर रख चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं से आम जनता को कोई सीधा लाभ नहीं मिला, बल्कि केवल चुनिंदा उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाया गया। मान ने कहा कि प्रधानमंत्री अक्सर अपने कारोबारी सहयोगियों को विदेशी दौरों पर साथ ले जाते हैं और उनके लिए व्यापारिक समझौते सुनिश्चित किए जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार विदेश और आर्थिक दोनों मोर्चों पर विफल रही है,

जिसके चलते देश में असुरक्षा और अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि युद्ध इजराइल और ईरान के बीच हो रहा है, लेकिन उसका असर जानबूझकर भारत की जनता पर डाला जा रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि आने वाले दिनों में तेल की कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे आम लोगों की मुश्किलें बढ़ेंगी।

पंजाब भाजपा नेतृत्व पर टिप्पणी करते हुए मान ने कहा कि राज्य के भाजपा नेता जमीनी हकीकत से कट चुके हैं और केवल पार्टी हाईकमान की भाषा बोल रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्री के समक्ष डीएपी खाद की उपलब्धता का मुद्दा उठाया गया था, जिस पर पंजाब की जरूरतें पूरी करने का आश्वासन मिला है।

केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इनफ़ोर्समेंट डायरेक्टरेट , सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल भाजपा राजनीतिक विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन एजेंसियों को भाजपा के राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

स्मार्ट सिटी के दावों की खुली पोल, 120 फुट रोड अंधेरे में डूबी

» प्रथम न्यूज । जालंधर
19 मई (शिव कुमार)

शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के बड़े-बड़े दावे करने वाला प्रशासन 120 फुट रोड की बदहाली पर पूरी तरह फेल नजर आ रहा है। बाबा बुड्ढा पुल से कपूरथला रोड तक सड़क किनारे बिजली के खंभे तो लगाए गए हैं, लेकिन स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं। रात होते ही पूरी सड़क अंधेरे में डूब जाती है और यही अंधेरा चोरों व असामाजिक तत्वों के लिए सुरक्षित ठिकाना बन चुका है।

महानगर में लगातार चोरी, लूटपाट और मारपीट की घटनाएं बढ़ रही हैं,

लेकिन प्रशासन और पुलिस व्यवस्था सिर्फ कागजों तक सीमित दिखाई दे रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब शहर की मुख्य सड़कें ही रोशन नहीं होंगी तो सुरक्षा के दावे कैसे पूरे होंगे।

स्मार्ट सिटी के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि लोगों को आज भी अंधेरी सड़कों से गुजरने को मजबूर होना पड़ रहा है। रात के समय राहगीरों, महिलाओं और वाहन चालकों में डर का माहौल बना रहता है। बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर रही हैं।

पंजाब में महिला पंजाबी सिंगर की हत्या, नहर से मिली लाश

गनपॉइंट पर हुई थी किडनैप, पंजाबी सिंगर इंदर कौर

लुधियाना (ब्यूरो)– पंजाब से इस समय की बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर है कि पंजाबी लेडी सिंगर की हत्या कर दी गई है। बताया जा रहा है कि उसकी लाश नहर में मिली है जिससे हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक पंजाबी सिंगर इंदर कौर उर्फ यशइंदर कौर की हत्या कर दी गई है। इंदर कौर का

शव नीलो नहर में मिला है। बता दे कि लुधियाना में 6 दिन पहले गन प्वाइंट पर इंदर कौर का किडनैप हुआ था।

मृतक के भाई जोतइंदर सिंह ने बताया कि उसकी बहन यशइंदर उर्फ इंदर कौर 13 मई की रात करीब साढ़े 8ः30 बजे अपनी फोर्ड फिगो कार में सवार होकर ग्रोसरी लेने बाजार गई थी, लेकिन देर रात तक घर वापस नहीं लौटी।

परिवार ने उसकी तलाश शुरू की तो पता चला कि उसका दोस्ती सुखविंदर सिंह उर्फ सुक्खा निवासी गांव भलूर, जिला मोगा के साथ थी। जोतइंदर का आरोप है कि सुखविंदर सिंह बहन से शादी करना चाहता था, लेकिन उसने इनकार कर दिया था। इसी रंजिश में उसने साथियों के साथ मिलकर गन प्वाइंट पर अगवा कर लिया और फिर उसकी हत्या कर दी है। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल में रखवा दिया है। इसके साथ ही मामला दर्ज कर आगे की जांच करनी शुरू कर दी है।

वातावरण संरक्षण सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है : डा हरमीत पॉल सिंह

जालंधर को हरा भरा बनाने के उद्देश्य से निष्काम सेवा वेलफेयर सोसाइटी को दिया 20 हजार रुपए का चेक

» प्रथम न्यूज । जालंधर
19 मई (डोगरा)

निष्काम सेवा वेलफेयर सोसाइटी और संस्था दिशादीप आर्थिक तौर पर कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षण हेतु , मेडिकल कैंप लगाना ,गरीब लाचार लोगों की सहायता प्रदान करती है। इस मानसून ऋतु में जालंधर को हरा भरा बनाने के उद्देश्य से हर घर में फलदार पेड़ मुहिम को बढ़ावा देने के लिए पहलकदमी करते हुए ए बी फाउंडेशन के न्यासी व फोर्टिस हॉस्पिटल के सर्जन डा हरमीत पॉल सिंह ने 20 हजार रुपए धनराशि का चेक संस्था को दिया। डाक्टर हरमीत पॉल सिंह ने कहा के वातावरण संरक्षण सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह हर नागरिक की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है।

व्यक्तिगत स्तर पर किए गए छोटे बदलाव, जैसे कम प्लास्टिक का उपयोग और अधिक वृक्षारोपण, एक बड़ा सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। हम स्वयं को वृक्षारोपण तक की सीमित ना रखते हुए पौधारोपन उपरांत इसके पोषण व संरक्षण करने में भी उतना योगदान अवश्य दें जितना हम अपने बच्चों के पालन पोषण में करते हैं ।

एस एम सिंह व किरण नागपाल ने कहा के दान किए हुए यह फलदार पौधे जालंधर की विभिन्न कॉलोनीयों के घरों में लगाए जाएंगे।

उन्होंने सभी जागरूक नागरिकों से अपील की के मानसून सीजन के शुरू होने से पहले पौधे ना लगाएं और अपने घर, गली व सड़क पर लगे पौधों को पानी देकर उन्हें जीवंत रखें।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा के तहत श्रद्धालुओं की बस रवाना

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
19 मई (संदीप सन्नी)

गुरदासपुर विधानसभा क्षेत्र के इंचार्ज रमन बहल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत शहर के वार्ड नंबर 12 और 13 से श्रद्धालुओं की एक बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर बहल ने बताया कि पंजाब सरकार की इस योजना के माध्यम से बुजुर्गों और परिवारों को बिना किसी खर्च के पवित्र धार्मिक स्थलों के दर्शन करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के चेहरों पर खुशी देखकर उन्हें असीम संतोष प्राप्त हो रहा है।

धार्मिक आस्था और सपनों को साकार कर रही योजना

बहल ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार का यह उपराला न केवल लोगों को धर्म और श्रद्धा से जोड़ रहा है, बल्कि उनके तीर्थ यात्रा के सपनों को भी हकीकत में बदल रहा है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को सुखद और मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। बहल ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत प्रदेश भर के लोगों को विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाए जा रहे हैं और लोग पूरी श्रद्धा भावना के साथ इस यात्रा का हिस्सा बन रहे हैं।

तीन दिवसीय यात्रा का कार्यक्रम

बहल ने जानकारी दी कि यह बस तीन दिनों के प्रवास के दौरान श्रद्धालुओं को श्री आनंदपुर साहिब, तख्त श्री केसगढ़ साहिब, विरासत-ए-खालसा, श्री कीरतपुर साहिब और माता नैना देवी के दर्शन करवाएगी। इस दौरान श्रद्धालुओं के रहने और खाने-पीने का पूरा प्रबंध सरकार द्वारा किया गया है।

श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री और रमन बहल का जताया आभार

यात्रा पर रवाना हो रहे श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और रमन बहल का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस योजना से आम लोगों में भारी उत्साह है।

श्रद्धालुओं ने कहा कि आर्थिक तंगी या अन्य कारणों से जो लोग दर्शनों के लिए नहीं जा सकते थे, उनके लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं है। श्रद्धालुओं में इस यात्रा को लेकर काफी खुशी और धार्मिक उमंग देखी गई।

BSF चौक के पास आईईडी धमाके मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

जीरकपुर और दिल्ली में पुलिस कर रही छापेमारी

» प्रथम न्यूज । जालंधर
19 मई (एएम नाथ)

बीएसएफ चौक के पास बीते दिनों हुए आईईडी धमाके की जांच पंजाब से बाहर तक पहुंच गई है। मामले की तह तक जाने के लिए जालंधर पुलिस की टीमें जीरकपुर, दिल्ली और अन्य स्थानों पर लगातार छापेमारी कर रही हैं।

पुलिस को उन छह लोगों के पते और पहचान से जुड़ी जांच के दौरान पुलिस ने जीरकपुर से दो और लोगों को काबू किया है। बताया जा रहा है कि इस मामले में कई अहम सुराग मिले, जिसके बाद दो और लोगों को काबू किया गया है, जिन्होंने किसी न किसी रूप में गिरफ्तार आरोपितों की मदद की थी। इनमें जीरकपुर और दिल्ली के तीन लोगों के नाम प्रमुख रूप से सामने आए थे। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी की गिरफ्तारी होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन बताया जा रहा है कि जांच के दौरान कुछ और लोगों को नामजद भी किया गया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपितों ने पूछताछ में कई ऐसे लोगों के नाम बताए हैं जिन्होंने उन्हें ठहरने की जगह, सिम कार्ड, वाहन और अन्य सहायता उपलब्ध करवाई थी। छह

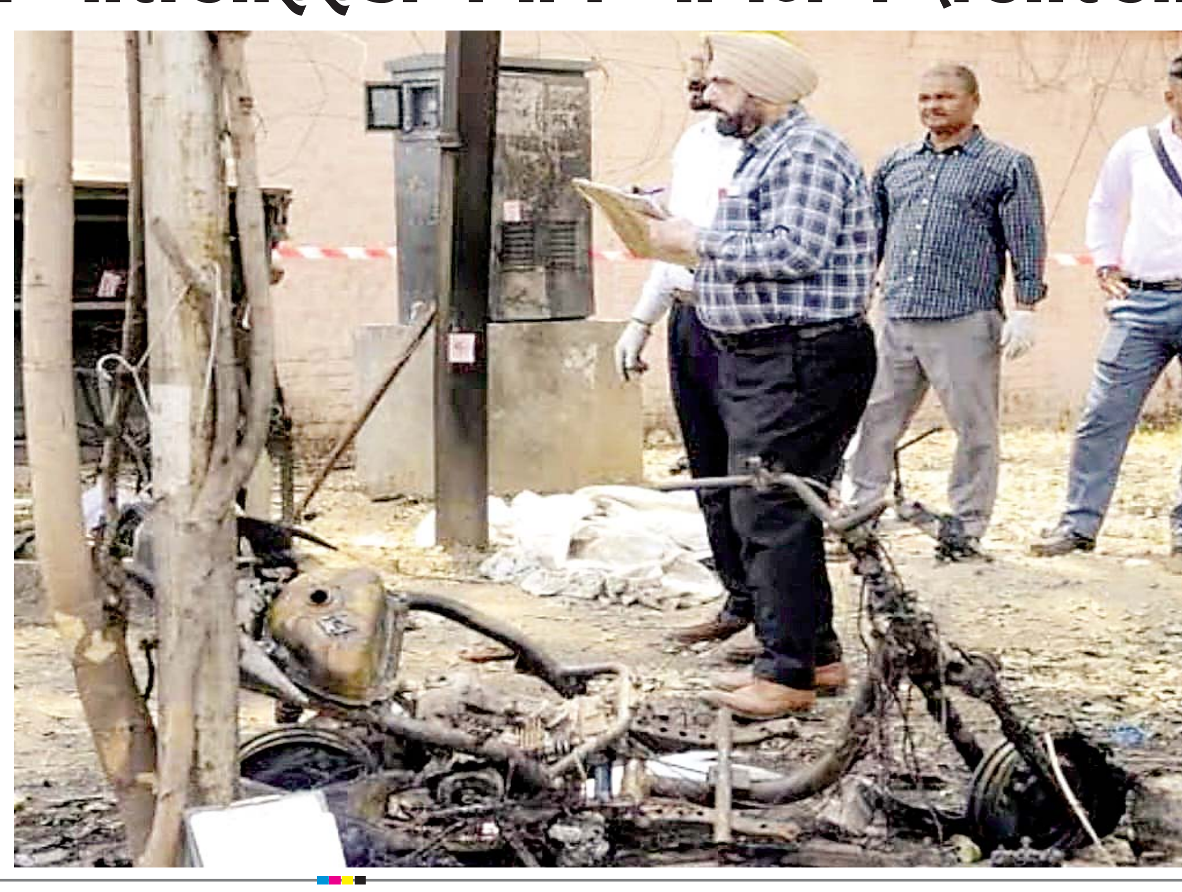

लोगों के नाम सामने आए थे पुलिस ने लगातार छापेमारी की और दो लोगों को पकड़ा है।

वहीं बाकी लोगों की पुलिस पहचान करवाने में जुटी हुई है। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि कुछ संदिग्धों ने आरोपितों को सुरक्षित ठिकाने दिलाने और वारदात के बाद फरार होने में मदद की थी। इसी आधार पर जालंधर पुलिस की अलग-अलग टीमें जीरकपुर, दिल्ली और अन्य शहरों में पहुंचीं और कई स्थानों पर छापेमारी की।

गत दिनों जालंधर के बीएसएफ चौक के पास देर रात एक आईईडी ब्लास्ट हुआ था। धमाका बीएसएफ हेडक्वार्टर के समीप हुआ, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस में हड़कंप मच गया। शुरुआती जांच में सामने आया कि आरोपितों ने पहले से पूरी योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया था। जांच के दौरान पुलिस ने उमरदीन खान और अनिल शर्मा नामक दो आरोपितों को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित इंटरनेट मीडिया और गैंगस्टर नेटवर्क के जरिए संपर्क में आए थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि धमाके में इस्तेमाल आईईडी और अन्य तकनीकी मदद बार्डर पार से जुड़े नेटवर्क के जरिए उपलब्ध करवाई गई थी। अब पुलिस उस व्यक्ति की तलाश में जुटी है जिसने आईईडी को पंजाब तक पहुंचाने और आरोपितों तक सप्लाई करने में भूमिका निभाई।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

एसजेवीएन ने एनजेएचपीएस में बांध सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम) श्री भूपेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एसजेवीएन ने अवगत करवाया कि एसजेवीएन ने आज राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) के सौजन्य से नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन, झाकड़ी में बांध सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य बांध सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जोखिम न्यूनीकरण एवं आपदा पूर्व तैयारी के लिए सक्रिय उपायों को प्रोत्साहित करना रहा।

इस अवसर पर श्री अजय कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक), एसजेवीएन ने कहा कि यह पहल बांध सुरक्षा की संस्कृति को सुदृढ़ करने हेतु स्टेकहोल्डर्ज के समन्वित सहयोग, जन-जागरूकता तथा पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के महत्व को रेखांकित करती है। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. अमित शर्मा, उपायुक्त, किन्नौर एवं श्री सौरभ अग्रवाल, सदस्य (प्रशासन एवं वित्त), राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण द्वारा किया गया। अपने स्वागत संबोधन में श्री राजीव कपूर, परियोजना प्रमुख (एनजेएचपीएस) ने कहा कि क्षेत्र में सामुदायिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस प्रकार की पहलें आयोजित की जा रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान आईएमडी, एनडीआरएफ, इसरो, एनआरएससी तथा राज्य प्रशासन के विभिन्न विशेषज्ञों एवं अधिकारियों ने बांध सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, मौसम पूर्वानुमान तथा समुदायों की भूमिका संबंधी विषयों पर प्रस्तुतियां दीं। विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बांध सुरक्षा में आधुनिक तकनीकों एवं समन्वित प्रयासों के महत्व पर बल दिया। सामुदायिक संवाद सत्र के दौरान स्थानीय निवासियों, विशेष रूप से डाउनस्ट्रीम के ग्रामीणों ने अपनी चिंताएं व्यक्त कीं, अनुभव साझा किए तथा सुरक्षा उपायों एवं पूर्व चेतावनी प्रणालियों के संबंध में सुझाव दिए। कार्यक्रम के दूसरे चरण में विद्यार्थियों द्वारा जागरूकता रैली, पौधारोपण अभियान तथा बाढ़ सुरक्षा एवं आपदा जागरूकता पर आधारित नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुतियां आयोजित की गईं।

कार्यक्रम का फोकस बांध सुरक्षा, आपदा पूर्व तैयारी, बाढ़ प्रबंधन एवं सामुदायिक सहभागिता पर केंद्रित रहा।

22 निर्धन विद्यार्थियों को सेवानिवृत अध्यापक सरदार जगदेव सिंह ने प्रदान किए स्कूल यूनिफॉर्म के जूते

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मजारी में स्थानीय निवासी शिक्षा विभाग से सेवानिवृत अध्यापक सरदार जगदेव सिंह ने पिछले सात वर्षों से अपनी निर्धन विद्यार्थियों की पढ़ाई में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए चलाई गई मुहिम को इस वर्ष भी विद्यालय के 22विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म के जूते उपलब्ध करवाकर जारी रखा है

गौरतलब है कि सरदार जगदेव सिंह स्वयं भी एक अध्यापक रहे हैं और पढ़ाई का मतलब समझने, समझाने के अतिरित सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के अभिभावकों की आर्थिक अवस्था को भी जानते है , इसीलिए इन्होंने वर्ष 2019से यह निर्णय लिया कि मैं अपनी पेंशन का 10प्रतिशत हिस्सा निर्धन बच्चों की छोटी छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए दान किया करूंगा, वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मजारी के अतिरिक्त भी इसकी अधीनस्थ पाठशालाओं प्राथमिक विद्यालय मजारी एक और दो के निर्धन बच्चों के लिए भी सरदार जगदेव कभी स्कूल वर्दी, जूते, कॉपियां वह अन्य जरूरत का समान मुहैय्या करवाते रहते हैं

विद्यालय प्रधानाचार्य सुरजीत ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग द्वारा स्कूल अडॉप्शन प्रोग्राम जो चलाया है उसकी जानकारी जब जगदेव सिंह जी को दी गई तो उन्होंने ने तुरंत इस विद्यालय से जुड़ने की सहमति स्कूल अडॉप्शन समिति प्रभारी मैडम हरप्रीत कौर को प्रदान कर दी और यह आश्वासन प्रदान किया कि अपनी क्षमता से बढ़कर विद्यालय का न केवल स्वयं सहयोग करेंगे बल्कि अन्य समाज को भी विद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे, इसी कड़ी में विद्यार्थियों की जरूरत मैने उनके समक्ष रखी उसे केवल दो दिन में सरदार जगदेव सिंह ने पूरा कर दिया

प्रधानाचार्य ने उदार सोच के धनी एवं दानी सरदार जगदेव की इस मुहिम में हमारे विद्यालय का चयन करने के लिए धन्यवाद प्रदान किया और इसी प्रकार से प्रेरणा बन स्थानीय लोगों को इस पवित्र मुहिम से जुड़ने का आग्रह भी किया

विद्यालय ने एक सादे समारोह में सरदार जगदेव सिंह को माता नैनादेवी की चुनरी और एक स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उत्तम स्वस्थ और समृद्धि की कामना की इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य नीलम धीमान प्रवक्ता अंग्रेजी अनुराधा शर्मा, सतनाम कौर , रेखा देवी,हरप्रीतकौर रेणु शर्मा , प्रमोद ठाकुर शैली अग्निहोत्री , सुमन ठाकुर, कश्मीर सिंह,राजिंदर सिंह, अमिता कुमारी, शीला,दर्शना,डिंपी सहित सभी विद्यालय अध्यापक व अन्य स्टॉफ उपस्थित रहा।

केरलम शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे सीएम सुक्खू, राहुल गांधी और खड़गे से की मुलाकात

» प्रथम न्यूज । शिमला
19 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू सोमवार को तिरुवनंतपुरम में आयोजित केरलम सरकार के भव्य शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने वी.डी. सतीशन को केरलम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री सुक्खू ने आशा व्यक्त की कि वी.डी. सतीशन के नेतृत्व में केरलम विकास, सामाजिक न्याय और सुशासन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेगा।

शपथ ग्रहण समारोह में देशभर के कई वरिष्ठ राजनीतिक नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री सुक्खू ने इस अवसर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर विभिन्न राजनीतिक एवं समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की। सूत्रों के अनुसार इस दौरान संगठनात्मक गतिविधियों और राज्यों से जुड़े कई अहम विषयों पर भी बातचीत हुई। मुख्यमंत्री का कार्यक्रम अगले कुछ दिनों तक व्यस्त रहने वाला है। जानकारी के अनुसार वह मंगलवार को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर का दौरा करेंगे। यहां वह आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर से मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री का रात्रि प्रवास भी बेंगलुरु में ही प्रस्तावित है। इसके बाद मुख्यमंत्री 20 मई के बाद हिमाचल प्रदेश लौटेंगे। वापसी के पश्चात 22 मई को शिमला सचिवालय में आयोजित होने वाली प्रदेश मंत्रिमंडल बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक में विभिन्न सरकारी विभागों में लंबे समय से रिक्त पड़े पदों को भरने संबंधी प्रस्तावों पर मुहर लग सकती है। इसके अलावा जनहित से जुड़े कई अन्य महत्वपूर्ण फैसले लिए जाने की भी संभावना जताई जा रही है।

राजनीतिक हलकों में मुख्यमंत्री सुक्खू के इस दौरे को कांग्रेस नेतृत्व के साथ समन्वय और आगामी रणनीतियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं, प्रदेश में होने वाली आगामी कैबिनेट बैठक पर भी कर्मचारियों और युवाओं की नजरें टिकी हुई हैं, क्योंकि इसमें भर्ती प्रक्रिया और विकास योजनाओं से जुड़े बड़े निर्णय सामने आ सकते हैं।

नव दुर्गा माता मंदिर खरोटा श्रद्धा और आस्था का अद्भुत केंद्र : डॉ. रमेश चौहान

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- श्रध्दा एवं आस्था का केंद्र है नव दुर्गा माता मंदिर खरोटा बरठीं ये शब्द सेवा निवृत्त चीफ मैडिकल आफिसर डा राधाकृष्णन मैडिकल कॉलेज एंड हास्पिटल हमीरपुर डा रमेश चौहान (अर्थो सर्जन) ने बरठीं स्थित नव दुर्गा माता मंदिर खरोटा में 34वे विशाल भगवती जागरण में उपस्थित भक्तों को अपने सम्बोधन में कहें उन्होंने कहा कि मुझे प्रथम पर इस स्थान पर मां भगवती की अपार कृपा से आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है जिसके लिए मैं नवदुर्गा मां के प्रबंध निदेशक सुदर्शन कुमार, अध्यक्ष पूर्ण चंद नैयर महासचिव विपिन सिंगला व सीमित का आभार व्यक्त करता हूं उन्होंने इस स्थान पर स्वयंभू ब्रम्हा जी की गोदी में बिराजमान स्वयं-भू गणपति जी एवं मन्दिर के गर्भ गृह में बिराजमान अष्टभुजाधारी शेर पर सवार मां दुर्गा व परिसर में स्थापित समस्त देवी-देवताओं का दर्शन लाभ अपनी धर्मपत्नी पुर्णिमा चौहान जी के साथ करके आशीर्वाद प्राप्त किया उन्होंने इस अवसर मन्दिर सीमित को मन्दिर के लिए अपने सुझाव भी सांझा किये जिससे सीमित द्वारा उनकी व उनकी धर्मपत्नी की पर सरहाना की है ।

उन्होंने इस संस्थान पर नि:शुल्क मैडिकल कैंप लगवाने का भी सीमित से निवेदन किया है ताकि यहां की सह स्थानीय जनता अपने स्वास्थ्य की समय पर जांच करवाकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकें उन्होंने कहा है कि मैंने इस स्थान पर प्रथम बार मां भगवती के दर्शन किए हैं व जो मान सम्मान संस्था द्वारा दिया गया है उसका समस्त संस्था के सदस्यों का अभार व्यक्त किया है।

भीतरघातियों का राजनीतिक भविष्य खत्म करेंगे : भारद्वाज

जिला परिषद चुनाव में बगावत पर भड़के भाजपा सांसद राजीव भारद्वाज

कहा, गद्दारी किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं

भाजपा में अनुशासनहीनता पर सख्ती, विभीषणों को जनता के सामने करेंगे बेनकाब

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला
19 मई (एएम नाथ)

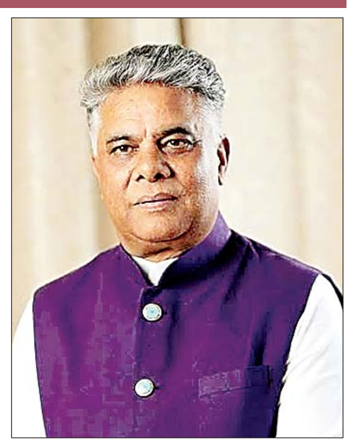

सांसद राजीव भारद्वाज ने पार्टी विरोधी गतिविधियों और जिला परिषद चुनावों में अपने प्रत्याशी उतारने वाले नेताओं पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भाजपा ऐसे भीतरघातियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी और जिन लोगों ने पार्टी के खिलाफ काम किया है, उनका राजनीतिक करियर खत्म कर दिया जाएगा।

सांसद ने कहा कि जिस पार्टी ने नेताओं को सम्मान, पहचान और राजनीतिक मंच दिया, उसी पार्टी के खिलाफ काम करना सीधी गद्दारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा अनुशासन और संगठन की विचारधारा पर चलने वाली पार्टी है, इसलिए पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तय मानी जाए।

राजीव भारद्वाज ने कहा कि जिला परिषद चुनावों के दौरान कुछ नेताओं ने पार्टी की अधिकृत लाइन से हटकर अपने प्रत्याशी मैदान में उतारे, जिससे संगठन को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई। उन्होंने इसे गंभीर अनुशासनहीनता बताते हुए कहा कि ऐसे लोगों की पूरी रिपोर्ट पार्टी हाईकमान तक पहुंचा दी गई है। सांसद ने दावा किया कि इस पूरे मामले को लेकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा हो चुकी है और संगठन स्तर पर कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल नेताओं को जनता के सामने बेनकाब किया जाएगा ताकि कार्यकर्ताओं और आम लोगों को सच्चाई पता चल सके।

उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण से मजबूत हुई है, लेकिन कुछ लोग व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के चलते संगठन को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे नेताओं को अब पार्टी में कोई स्थान नहीं मिलेगा।

राजीव भारद्वाज ने विभीषण शब्द का इस्तेमाल करते हुए कहा कि पार्टी के भीतर रहकर नुकसान पहुंचाने वाले नेताओं की पहचान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भाजपा अनुशासनहीनता के मामलों में और अधिक सख्त रुख अपनाएगी।

सांसद ने कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर काम करें और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों से सतर्क रहें। उन्होंने भरोसा जताया कि भाजपा आने वाले चुनावों में पहले से अधिक मजबूती के साथ जनता के बीच जाएगी।

नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस को मिला जनसमर्थन सरकार की जनहितकारी नीतियों पर जनता की मुहर : केवल सिंह पठानिया

» प्रथम न्यूज । शिमला
19 मई (बी.शर्मा)

उप-मुख्य सचेतक ने कहा- नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस की शानदार जीत मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व और सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता के भरोसे का प्रतीक

उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने आज यहां आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस पार्टी को मिले व्यापक जनसमर्थन पर प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जनादेश मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे जनहितकारी कार्यों, विकासोन्मुख नीतियों तथा व्यवस्था परिवर्तन की दिशा में उठाए गए ऐतिहासिक कदमों पर जनता की स्पष्ट मुहर है।

उन्होंने कहा कि ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने सत्ता संभालते ही स्पष्ट कर दिया था कि सरकार केवल शासन चलाने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से कार्य करेगी। बीते साढ़े तीन वर्षों में प्रदेश सरकार ने पुरानी पेंशन योजना की बहाली, प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन, युवाओं के लिए स्वरोजगार योजनाओं का विस्तार, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा शिक्षा क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लेकर जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उप-मुख्य सचेतक ने कहा कि सरकार ने राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए करोड़ों रुपये का प्रावधान किया है। इसके अतिरिक्त दुग्ध उत्पादकों के हित में गाय और भैंस के दूध के समर्थन मूल्य में वृद्धि कर किसानों और पशुपालकों को आर्थिक मजबूती प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा आरंभ करना भी सरकार का दूरदर्शी एवं महत्त्वपूर्ण निर्णय है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधार किए गए हैं। विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में आधुनिक मशीनें स्थापित की गई और अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

केवल सिंह पठानिया ने जिला कांगड़ा में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि हवाई अड्डा विस्तार, पर्यटन विकास, जिप लाइन परियोजना तथा अन्य आधारभूत ढांचा परियोजनाएं प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में कांगड़ा को पर्यटन राजधानी के रूप में विकसित करने की दिशा में तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश भर में शानदार प्रदर्शन किया है। अनेक नगर परिषदों एवं नगर पंचायतों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों की जीत इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश की जनता सरकार की नीतियों और विकास कार्यों से संतुष्ट है। उन्होंने कहा कि यह परिणाम आगामी जिला परिषद एवं ब्लॉक समिति चुनावों के लिए भी सकारात्मक संकेत हैं।

उप-मुख्य सचेतक ने कहा कि कठिन आर्थिक परिस्थितियों और केंद्र सरकार से वित्तीय चुनौतियों के बावजूद मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश के विकास एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को निरंतर जारी रखा है। सरकार ने कर्मचारियों, पेंशनरों, किसानों, महिलाओं तथा युवाओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

उन्होंने प्रदेश के अधिकारियों, कर्मचारियों, जिला प्रशासन, निर्वाचन अधिकारियों तथा चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग, समर्पण एवं निष्पक्ष कार्यशैली के कारण लोकतंत्र का यह महापर्व सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

केवल सिंह पठानिया ने कहा कि नगर निकाय चुनावों में मिला जनादेश इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश की जनता मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार की विकासात्मक सोच और जनकल्याणकारी नीतियों के साथ मजबूती से खड़ी है।

गोविंद सागर एवं कोलडैम जलाशयों में मत्स्य विभाग का विशेष निरीक्षण अभियान

अवैध मत्स्य गतिविधियों पर विभाग ने की सख्त कार्रवाई, कई मामले दर्ज

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
19 मई (धर्मपाल/जितेंद्र गौतम)

मत्स्य संपदा के संरक्षण तथा जलाशयों में अवैध मत्स्य गतिविधियों की रोकथाम के उद्देश्य से मत्स्य विभाग, मंडल बिलासपुर द्वारा गोविंद सागर एवं कोलडैम जलाशयों में विशेष निरीक्षण एवं गश्त अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 16 एवं 17 मई को विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर कई अवैध गतिविधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई अमल में लाई गई।

मत्स्य अधिकारी जकातखाना सुरम सिंह एवं उनकी टीम ने गत 17 मई को गोविंद सागर जलाशय के बडडू, लुरहाड़ तथा दाड़ीभाड़ी क्षेत्रों में गश्त के दौरान लगभग 21 किलोग्राम अंडर साईज जाल जब्त किए गए। इसके अतिरिक्त 16 मई को गोविंद सागर जलाशय के बागछाल क्षेत्र में अवैध मत्स्य शिकार का एक मामला पकड़ा, जिसमें 500 रुपये जुर्माना एवं मुआवजा राशि के रूप में वसूल किए गए।

इसी तरह कोलडैम जलाशय क्षेत्र में भी विभाग द्वारा रात्रि गश्त के दौरान कड़ी कार्रवाई की गई। मत्स्य क्षेत्रीय सहायक सुन्नी हरीश कुमार ने रात्रि निरीक्षण के दौरान सुन्नी क्षेत्र के समीप अवैध मछली परिवहन के तीन मामले पकड़े, जिनमें 10 हजार रुपये मुआवजा राशि प्राप्त की गई। साथ ही लगभग 20 किलोग्राम अवैध मछली

खराब होने के कारण नियमानुसार नष्ट की गई।

इसी प्रकार 16 मई को मत्स्य अधिकारी मंदली विवेक कमल एवं उनकी टीम ने गोविंद सागर जलाशय के बीट नंबर-1 में निरीक्षण के दौरान खोली तथा बालू क्षेत्र से लगभग 30 किलोग्राम अंडर साईज गिल नेट जब्त किए गए। वहीं, मत्स्य क्षेत्रीय सहायक अभिनीत ने सीर खड्ड क्षेत्र में गश्त के दौरान अवैध मत्स्य शिकार के दो मामले पकड़े, जिनमें 1500 रुपये मुआवजा राशि प्राप्त की गई तथा लगभग 7 किलोग्राम मछली की नीलामी कर 600 रुपये राजस्व के रूप में प्राप्त हुई। सहायक निदेशक मत्स्य, मंडल बिलासपुर पंकज ठाकुर ने बताया कि गोविंद सागर जलाशय में 46 तथा कोलडैम जलाशय में 4 मत्स्य सहकारी सभाओं के माध्यम से 2500 से अधिक मछुआरे मत्स्य आखेट का कार्य कर रहे हैं। विभाग द्वारा प्रतिवर्ष जलाशयों में लाखों की संख्या में मत्स्य बीज संग्रहण किया जाता है, ताकि मछुआरों को पर्याप्त मात्रा में मछली उपलब्ध हो सके। उन्होंने बताया कि विभाग के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2024-25 में गोविंद सागर जलाशय के मत्स्य उत्पादन में वर्ष 2023-24 की तुलना में 156.33 मीट्रिक टन तथा वर्ष 2025-26 में वर्ष 2024-25 की तुलना में 56.45 मीट्रिक टन की वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष मत्स्य प्रजनन अवधि 16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्य आखेट पूर्णत: प्रतिबंधित रहता है तथा इस दौरान सक्रिय मछुआरों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है, ताकि उन्हें आर्थिक नुकसान न उठाना पड़े और मछलियां प्राकृतिक रूप से प्रजनन कर सकें। उन्होंने कहा कि कुछ व्यक्तियों द्वारा अंडर साइज जालों तथा अवैध मत्स्य शिकार जैसी गतिविधियों से विभाग के संरक्षण प्रयास प्रभावित होते हैं, जिसका प्रतिकूल प्रभाव भविष्य में मत्स्य उत्पादन एवं संसाधनों पर पड़ सकता है। निदेशक एवं प्रारक्षी मत्स्य, हिमाचल प्रदेश विवेक चंदेल ने कहा कि जलाशयों में अवैध मत्स्य गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण अभियान चलाए जा रहे हैं तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने मछुआरों एवं स्थानीय लोगों से मत्स्य नियमों का पालन करने तथा जलाशयों की मत्स्य संपदा के संरक्षण में विभाग का सहयोग करने की अपील की।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

झांसा में श्रद्धा के साथ मनाया गया श्री दक्षिण मुखी हनुमान एवं खाटू श्याम मंदिर का प्रथम स्थापना दिवस

इस्माईलाबाद (सुनील कोमल) गांव झांसा में स्थित श्री दक्षिण मुखी हनुमान एवं खाटू श्याम मंदिर का प्रथम स्थापना दिवस श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में पंडित धर्मपाल शर्मा द्वारा विधि-विधान से हवन यज्ञ एवं पूजा-अर्चना करवाई गई। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया और मंदिर में माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान तेजमोड़ी के प्रसिद्ध गायक अनवर अली द्वारा हनुमान जी एवं खाटू श्याम जी के सुंदर भजनों का गुणगान किया गया। भजन-कीर्तन सुनकर श्रद्धालु भक्तिरस में झूम उठे। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर में दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रही। मंदिर के संचालक पंडित धर्मपाल शर्मा ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रवचन देते हुए कहा कि भगवान हनुमान जी शक्ति, भक्ति, साहस और सेवा के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण मुखी हनुमान जी की आराधना करने से भक्तों के सभी भय,संकट एवं नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है तथा जीवन में सुख-समृद्धि और आत्मबल की प्राप्ति होती है।

पंडित धर्मपाल शर्मा ने खाटू श्याम जी की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि सच्चे मन से श्याम बाबा का स्मरण करने वाले भक्त कभी निराश नहीं होते। उन्होंने बताया कि खाटू श्याम जी त्याग,समर्पण और दया के प्रतीक हैं तथा कलयुग में श्याम बाबा की भक्ति अत्यंत फलदायी मानी गई है। उन्होंने श्रद्धालुओं से धर्म के मार्ग पर चलने, सत्य बोलने, गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा करने तथा नियमित रूप से प्रभु भक्ति करने का संदेश दिया। प्रवचन के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में डूब गए और पूरे मंदिर परिसर में जय श्री राम एवं हारे के सहारे खाटू श्याम हमारे के जयकारे गूंज उठे। इस मौके पर विनोद, विक्की, संत लाल, शाम सुंदर सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इंवेस्टीगेशन एजेंसियों के नाम पर डिजिटल अरेस्ट कर ठगी कर रहे साइबर ठग

पैसा ना करें ट्रांसफर, सतर्कता ही साइबर ठगी का हथियार: एसपी मनप्रीत सिंह सूदन

कैथल, 19 मई (कृष्ण गर्ग) - साइबर ठग विभिन्न प्रकार के हथकंडे अपना कर आमजन को साइबर ठगी का शिकार बनाते है। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा कि पिछले कुछ समय से एक विशेष प्रकार के साइबर अपराधों की शिकायत देखने में आ रही है, जिसमें आम नागरिकों को किसी इन्वेस्टीगेशन एजेंसी संस्था के वरिष्ठ अधिकारी के नाम से कॉल/व्हाट्सएप कॉल करके बड़े पैमाने पर ठगी की जा रही है। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा कि पिछले कुछ समय से एक विशेष प्रकार का अपराध देखने में आ रहा है, जिसमें साइबर अपराधी कॉल अथवा व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से आमजन से संपर्क करते हैं। संदिग्ध व्यक्ति कॉल करके आपको डराते हुए यह कहते हैं कि आपके पैन/आधार कार्ड का उपयोग करके पार्सल भेजा गया है, जिसमें नारकोटिक्स (नशीली) सामग्री है। जालसाज एनसीबी/सीबीआई/एनआईए आदि इन्वेस्टीगेशन एजेंसी के अधिकारी के नाम से बदल-बदल कर कभी कॉल, कभी व्हाट्सएप वीडियो कॉल करते हैं, और कहते हैं कि उन्होंने आपके नाम से एक पार्सल पकड़ा है, जिसमें नारकोटिक्स (नशीली) सामग्री है। जालसाजों द्वारा कभी आपको कोर्ट फीस देने या जमानत देने के नाम से अथवा आपका नाम केस से हटाने के नाम पर पैसे की मांग की जाती है। कभी-कभी वीडियो कॉल पर पुलिस अधिकारी से बात करने को भी कहते हैं। वीडियो कॉल पर रहते हुए आपको एक फर्जी नोटिस दे दिया जाता है, जिसमें आपको डिजिटल अरेस्ट करते हुए घर में ही रहने को कहा जाता है। और कहा जाता है कि आप स्वयं को किसी कमरे में बंद कर लें तथा उनके सभी सवालों के जवाब दें।

यह भी कहा जाता है कि कैमरे के सामने ही रहना है, कमरे में यदि कोई और आया तो आप दोनों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा। धीरे-धीरे आपको और अधिक डराया जाता है और आपकी निजी व खातों तथा विभिन्न इंवेस्टमेंट की जानकारी आपसे ले ली जाती है। अंत में यह कहकर कि शायद आपको गलत फंसा दिया गया है, आप जांच पूरी होने तक अपना पैसा आरबीआई/भारत सरकार के खाते में जमा कर दें, जो जांच पूरी होने के बाद आपको लौटा दिया जायेगा। इस पूरी कार्यवाही के दौरान आपको न ही किसी से संपर्क करने का मौका दिया जाता है, न ही बाहर जाने दिया जाता है और इस प्रकार आपसे मोटी रकम जमा करा ली जाती है। अनजान नम्बर आने वाले कॉल, व्हाट्सएप कॉल/वीडियो कॉल, टेलीग्राम कॉल न उठाएं। भारतीय कानून में डिजिटल अरेस्ट का कोई नियम नहीं है। अत: किसी के कहने पर या डर से खुद को कहीं बंद न करें। अपनी निजी जानकारी जैसे बैंक खाते संबंधी, आधार आदि को किसी के साथ साझा न करें।

कोई भी संस्था आपसे आपका निजी पैसा किसी भी शासकीय खाते में जमा करने या सुरक्षित करने की सलाह नहीं देता। अत: कभी भी अपना पैसा किसी अनजान खाते में ट्रांसफर न करें। यदि आपके साथ कोई साइबर अपराध घटित होता है तो उसकी शिकायत तुरंत अपने नजदीकी पुलिस थाने में या साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर करें।

हरियाणा के सीएम नायब सैनी का बड़ा फैसला

इंडस्ट्रियल क्लस्टर्स होंगे नियमित

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
19 मई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा सरकार ने राज्य की अवैध औद्योगिक कॉलोनियों और अनधिकृत फैक्ट्रियों को बड़ी राहत देते हुए उन्हें कानूनी दायरे में लाने की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में 'हरियाणा मैनेजमेंट ऑफ सिविक अमेनिटीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेफिशिएंट एरिया आउटसाइड म्यूनिसिपल एरिया (स्पेशल प्रोविजंस) संशोधन अधिनियम-2025' को लागू करने के लिए अहम संशोधनों को मंजूरी दे दी गई।

सरकार के इस फैसले से राज्यभर में वर्षों से अनधिकृत इंडस्ट्रियल क्लस्टर्स में संचालित हो रही हजारों औद्योगिक इकाइयों को राहत मिलने की उम्मीद है। इन क्षेत्रों में लंबे समय से सड़क, पानी, सीवर, स्ट्रीट लाइट और ड्रेनेज जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी बनी हुई थी। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि अब इन क्षेत्रों को नियमित कर वहां आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे उद्योगों का विकास योजनाबद्ध तरीके से हो सकेगा।

सरकार ने बताया कि वर्ष 2021 में लागू किए गए विशेष कानून का उद्देश्य नगर निकाय सीमाओं से बाहर बुनियादी सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों को राहत देना था।

इसके तहत 19 जुलाई 2022 को नीति लागू की गई थी और 6 अप्रैल 2023 को कुछ राहत संबंधी प्रावधान भी जोड़े गए थे। हालांकि उस समय यह व्यवस्था केवल रिहायशी क्षेत्रों तक सीमित थी और औद्योगिक कॉलोनियां इसके दायरे से बाहर थीं।

मुख्यमंत्री द्वारा बजट 2025 में की गई घोषणा के बाद सरकार ने औद्योगिक क्षेत्रों को भी इस योजना में शामिल करने का फैसला लिया। इसके तहत अक्टूबर 2025 में कानून में संशोधन किया गया और अब कैबिनेट ने उसकी कार्यान्वयन प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है।

नई नीति के अनुसार वही औद्योगिक कॉलोनियां पात्र होंगी जो कम से कम 10 एकड़ के लगातार क्षेत्र में फैली हों और जिनमें न्यूनतम 50 औद्योगिक इकाइयां संचालित हो रही हों। साथ ही संबंधित निर्माण 3 अक्टूबर 2025 से पहले का होना जरूरी होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे छोटे और मध्यम उद्योगों को स्थिरता मिलेगी और वे बैंकिंग, बिजली कनेक्शन, पर्यावरण मंजूरी तथा अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ आसानी से उठा सकेंगे।

कैबिनेट ने इस पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन करने के लिए एक समर्पित पोर्टल बनाने की मंजूरी भी दी है। इस पोर्टल के जरिए उद्योगपति या उनके अधिकृत प्रतिनिधि आवेदन कर सकेंगे। आवेदन में किसी क्षेत्र को इंफ्रास्ट्रक्चर डेफिशिएंट इंडस्ट्रियल एरिया घोषित करने और औद्योगिक इकाइयों को नियमित करने की मांग की जा सकेगी। सरकार का दावा है कि ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने से प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और भ्रष्टाचार मुक्त बनेगी।

हरियाणा CM नायब सैनी साइकिल पर आए

चंडीगढ़ में सुखना लेक पहुंचे, लोगों से मिले, PM मोदी के ईंधन बचाओ आह्वान का असर

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
19 मई (मुकेश डोलिया)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील का असर अब देश में दिखने लगा है, जिसमें उन्होंने पेट्रोल-डीजल की बचत करने की बात कही थी।

पीएम की इस अपील के बाद तमाम मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने काफिलों में कटौती कर दी है और कम से कम गाड़ियों के साथ सड़क पर निकल रहे हैं। इस बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी सीधा साइकिल पर नजर आए हैं। सैनी ने मंगलवार सुबह अपने आवास से चंडीगढ़ के सुखना लेक तक पहुंचने के लिए साइकिल का इस्तेमाल किया। इस दौरान उन्होंने ईंधन बचत के साथ स्वस्थ भारत, स्वस्थ हरियाणा का संदेश भी दिया।

CM सैनी लोगों से मिले, बातचीत की : दरअसल मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सुबह की सैर के लिए सुखना लेक पहुंचे थे।

इसके लिए वह गाड़ियों का काफिला छोड़ साइकिल पर सवार होकर सड़क पर निकले। वहीं सुखना लेक पर मॉर्निंग वॉक करने के दौरान उन्होंने लोगों से मुलाक़ात की और उनसे बातचीत भी की। वहीं सीएम सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर लोगों को आगे आने को कहा और देश के लिए सहयोग करने की अपील की।

CM बोले, हमें सचेत रहने की आवश्यकता : वहीं सीएम सैनी ने कहा, मिडिल ईस्ट की समस्या आज पूरे विश्व के सामने खड़ी हुई है और प्रधानमंत्री मोदी ने जिक्र किया है कि हमें पहले ही सचेत रहने की आवश्यकता है। अगर हम बाहर जाएं तो हम ट्रेन का इस्तेमाल करें, बसों का उपयोग करें और इलेक्ट्रिक वाहनों से चलें। हम पेट्रोल-डीजल की बचत करें ताकि भारत को मजबूती मिल सके और भारत विकास की दिशा में आगे बढ़ सके।

ऑन लाइन दवा बिक्री के विरोध में चंडीगढ़ केमिस्ट एसोसिएशन का चंडीगढ़ बंद

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन)- ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट द्वारा ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में आज भारत बंद के तहत चंडीगढ़ में भी सभी दवा विक्रेता अपनी दुकानें बंद रखेंगे। ज्यादा जानकारी देते हुए चंडीगढ़ केमिस्ट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री वरुण गोयल ने बताया कि एक ओर सरकार आत्मनिर्भर भारत के तहत छोटे स्थानीय व्यापारियों के समृद्ध होने से देश के विकास को जोड़ती है तो दूसरी तरफ स्थानीय व्यापारियों के व्यवसाय को बड़े उद्योगपतियों के हाथों में देकर उन्हें व्यवसाय हीन बना रही है, साथ ही ऑनलाइन की बेप्रमाणिक, गुणवत्ताहीन, दवा वितरण मानकों के मापदंडों के विपरीत दवा का वितरण करवा कर देश के आम नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। जिसका देश का हर दवा व्यापारी विरोध करता है। गोयल ने शहर वासियों से भी अपील की है कि एक दिन की इस सांकेतिक बंद में हमारा साथ दें ताकि हम आप तक उच्य गुणवत्ता, प्रमाणिक और दवा वितरण मानकों पर खरी दवाइयां पहुंचाकर आपके और आपके परिवार के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ होने से बचा सके।

घटते लिंगानुपात के बारे में जागरूक अभियान चला कर किया जा रहा आमजन को जागरूकडॉ संजीव गोयल

पिहोवा 19 मई (मुकेश डोलिया) प्रवर चिकित्सा अधिकारी डॉ संजीव गोयल ने कहा कि क्षेत्र में घटते लिंगानुपात के बारे में आमजन को जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया है। इसके लिए हेल्थ सुपरवाइजर को पिछले 3 वर्षो में हुए गर्भपात की लिस्ट बनाने ओर उन आरएमपी डॉक्टर,झोलाछाप,दाई और अवैध गर्भपात केंद्रों का पता लगाने के निर्देश दिए है। इतना ही नहीं मेडिकल स्टोर जो गर्भपात किट अवैध रूप से बेच रहे है उन पर स्वास्थ्य विभाग कड़ी कार्यवाही करेगा।

उन्होंने पिहोवा ब्लाक के उन क्षेत्रों के बारे में सचेत करते हुए बताया कि पिहोवा शहर का इस वर्ष अप्रैल तक का लिंगानुपात 762 प्रति 1000 है,जो कि चिंतनीय विषय है। इसके अतिरिक्त जहां पर लगातार 3 वर्षो से लिंगानुपात 800 पर 1000 से कम है। इस कड़ी में पिहोवा उपमंडल के गांव भौरख,जखवाला,टबरा, शेरगढ़ इन गांव के सभी स्वास्थ्य कर्मियों को गर्भपात से संबंधित रिपोर्ट और रिकॉर्ड का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मी पीएनडीटी एक्ट के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी साझा करेंगे ताकि आमजन को इस विषय में जागरूक हो सके। इसके अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामगढ़ रोड से प्रभारी डा. रितु प्रिया,स्वास्थ्य निरीक्षक संजय कुमार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ रोड व गांव स्योंसर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जन-जन का रखें ध्यान,टी बी मुक्त भारत अभियान के उपलक्ष्य में स्कूल के बच्चों को टीबी की बीमारी के लक्षण व बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई व स्कूल के बच्चों से इस अवसर पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को प्रतिस्पर्धा सर्टिफिकेट दिया गया। इस अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्योंसर की तरफ से प्रिंसिपल देशराज व स्कूल के बच्चों रजनी देवी व आशा वर्कर ने भाग लिया।

नागरिकों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संचालित की जा रहे हैं स्वास्थ्य शिविर : डॉ. मंजू शर्मा

आयुष विभाग ने शांति नगर, लुखी, खानपुर कौलियां, कृष्णा नगर व प्रेरणा वृद्ध आश्रम में शिविरों का किया आयोजन

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
19 मई (बृज मोहन)

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा ने कहा कि आयुष विभाग द्वारा निरंतर नागरिकों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही हैं। महानिदेशक आयुष हरियाणा के निर्देशानुसार तथा हरियाणा योग आयोग के तालमेल से, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी कुरुक्षेत्र डॉ. मंजू शर्मा के दिशा-निर्देश में आयुष विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर निरंतर स्वास्थ्य जागरूकता एवं योग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शांति नगर में आयुष मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें डॉक्टर प्रभजोत कौर द्वारा कक्षा 6 से 10वीं तक के विद्यार्थियों को आयुर्वेद की दिनचर्या एवं ऋतुचर्या के सिद्धांतों के बारे में जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को त्रिरंगी आयुर्वेदिक थाली (दुग्ध उत्पाद, हरी सलाद, मिलेट्स आदि) के महत्व के बारे में बताया गया तथा किशोरी बालिकाओं को रजस्वलाचार्य के विषय में परामर्श दिया गया। उन्होंने बच्चों को आयुर्वेद से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

दूसरा शिविर राजकीय प्राथमिक विद्यालय लुखी में आयुष् आरोग्य मंदिर के अंतर्गत डॉ. महिपाल द्वारा आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों को आयुर्वेदिक दिनचर्या, ऋतुचर्या एवं स्वच्छता से संबंधित आदतों के बारे में जागरूक किया गया। आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट संजीव कुमार द्वारा निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया तथा योग सहायक बाला देवी द्वारा बच्चों को सूक्ष्म क्रियाएं एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाते हुए उनके लाभों की जानकारी दी गई। इसी कड़ी में पीएचसी खानपुर कोलियां के अंतर्गत डॉ. मनप्रीत गहलावत द्वारा गवर्नमेंट प्राइमरी एवं मिडिल स्कूल, खानपुर कोलियां में स्कूल हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर में मुख्य रूप से 14 वर्ष की छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन के बारे में जागरूक किया गया। लगभग 60 विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच कर निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई तथा विद्यार्थियों को दिनचर्या एवं ऋतुचर्या के पालन से होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया।

यूपीएससी कृष्णा नगर गामड़ी में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें आयुष योग सहायक दीक्षा एवं हरदीप सिंह द्वारा सूक्ष्म व्यायाम करवाए गए तथा गर्भावस्था के दौरान किए जाने वाले उपयुक्त आसनों की जानकारी दी गई, जिससे महिलाएं अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रख सकें। वहीं प्रेरणा वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों के लिए चल रहे विशेष योग शिविर के चौथे दिन योग सहायक डिंपल रानी एवं हरदीप सिंह द्वारा सूक्ष्म व्यायाम, प्राणायाम एवं विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास करवाया गया तथा उनके लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया।

हरिद्वार में आचार्य अमित शास्त्री व आदेश शर्मा के नेतृत्व में भव्य गंगा आरती संपन्न

» प्रथम न्यूज । हरिद्वार/चंडीगढ़
19 मई (पुनीत महाजन)

धर्मनगरी हरिद्वार के पावन गंगा घाट पर आचार्य पंडित अमित शास्त्री एवं आचार्य पंडित आदेश शर्मा के नेतृत्व में श्रद्धा, आस्था और भक्ति भाव से भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर मां गंगा का पूजन किया और पुण्य लाभ अर्जित किया।

गंगा आरती के दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण, दीप प्रज्वलन और विधिवत पूजा-अर्चना से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। हर हर गंगे और जय श्री राम के जयकारों से गंगा घाट गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने दीपों की रोशनी के बीच मां गंगा से देश और समाज में सुख, शांति, समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की।

आचार्य पंडित आदेश शर्मा ने कहा कि गंगा आरती भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मां गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र हैं। गंगा आरती लोगों के मन में सकारात्मक ऊर्जा, आध्यात्मिक शांति और धर्म के प्रति श्रद्धा का संचार करती है।

इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ आरती में भाग लिया और धार्मिक अनुष्ठान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। आयोजन के अंत में मां गंगा की महिमा का गुणगान करते हुए सभी ने समाज में प्रेम, भाईचारे और सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

आज का

संपादकीय

अमेरिका-चीन संबंधों के नए समीकरण

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हालिया चीन दौरा कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि इसका सरोकार भारत और अन्य एशियाई देशों की विदेश नीति एवं रणनीतिक दशा-दिशा से भी है। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ ट्रंप की भाव-भंगिमाओं से यह भी आभास हुआ कि वाशिंगटन नए शीत युद्ध की तीखी प्रतिद्वंद्विता के दायरे से बाहर निकलकर बीजिंग के साथ कुछ मामलों में सह-अस्तित्व की संभावनाएं तलाशने में जुटा है। चीन के प्रति अमेरिका की इस नरमी का मूल कारण है कि ट्रंप प्रशासन दक्षिण अमेरिका को अपना प्रमुख प्रभुत्व क्षेत्र मानता है और एशिया में अनुकूल शक्ति संतुलन बनाए रखने के प्रति उतना उत्साहित नहीं, जितना पूर्ववर्ती बाइडेन प्रशासन था।

हालांकि अभी चीन ही ऐसा एकमात्र देश है, जो अमेरिका को वैश्विक स्तर पर चुनौती दे रहा है। प्रतीत होता है कि इस प्रतिद्वंद्वी से पार पाने में ट्रंप पारंपरिक अमेरिकी दृष्टिकोण में भरोसा नहीं रखते। जैसे कि ताइवान के मुद्दे को ही लें। ताइवान की स्वतंत्रता और अस्तित्व को चीन के अतिक्रमण से बचाने के लिए अमेरिका दशकों से सैन्य सहायता और सुरक्षा आश्वासन देता आ रहा है, लेकिन इस बीच पूर्वी यूरोप एवं पश्चिमी एशिया के युद्धों में उलझने के बाद और चीन के साथ रिश्तों की नजाकत को देखते हुए अमेरिका ने ताइवान को स्वीकृत, लेकिन अभी तक वितरित न किए गए हथियारों में 21 अरब डालर से अधिक का बकाया रखा है।

ताइवान के संदर्भ में बीजिंग में चिनफिंग ने एक लक्ष्मण रेखा खींचते हुए ट्रंप को चेताया कि अगर इस मुद्दे को गलत तरीके से आगे बढ़ाया गया तो इससे चीन और अमेरिका के बीच खतरनाक संघर्ष हो सकता है। बीजिंग से लौटकर ट्रंप ने मानो चिनफिंग के प्रभाव में आकर यह कहा कि चीन बहुत शक्तिशाली देश है, जो नन्हें ताइवान से मात्र 59 मील दूर है, जबकि अमेरिका की ताइवान से दूरी 9,500 मील है। उन्होंने यह भी इशारा किया कि अगर ताइवान की ताकत माना जाने वाला सेमीकंडक्टर उद्योग अमेरिका में स्थानांतरित कर दिया जाए तो ताइवान की कोई अहमियत ही नहीं रह जाएगी और चीन उसे जब चाहे अपने चंगुल में ले सकता है। ताइवान पर किसी संभावित चीनी हमले की सूरत में अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप को लेकर भी ट्रंप ने कोई आश्वासन नहीं दिया। ताइवान के साथ जापान की सुरक्षा के जुड़ाव को देखते हुए इसे लेकर और अनिश्चितता पैदा हो गई है कि अमेरिका समूचे पूर्वी एशिया को उसके अपने हाल पर छोड़ सकता है, जिससे चीनी वर्चस्व की आशंका ही बढ़ेगी। पहले ऐसा लग रहा था कि जापान, आस्ट्रेलिया, भारत और दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के साथ मिलकर अमेरिका चीनी आक्रामकता के सापेक्ष शक्ति का संतुलन बनाए रखने में सहायक बना रहेगा, लेकिन अब यह धारणा ध्वस्त होती दिख रही है। कहने को तो अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर अभी भी गंभीर है और उसकी सैन्य सक्रियता भी जारी है, लेकिन चीन को पीछे धकेलने के उसके इरादे विश्वसनीय नहीं लग रहे हैं।

भू-राजनीति के हिसाब से अमेरिका चीन के प्रति भले ही ढुलमुल रवैया अपना रहा हो, लेकिन आर्थिक और तकनीकी प्रतिस्पर्धा में दोनों महाशक्तियों के बीच टकराव में कोई खास कमी नहीं दिख रही। ट्रंप मूल रूप से हैं तो एक व्यापारी ही और व्यापारिक दबाव की रणनीति को समझते हुए ही उन्होंने चीन को निर्यात होने वाली उच्च तकनीक पर न तो नियंत्रण में कोई ढील दी और न ही उस पर कायम 31 प्रतिशत के व्यापार शुल्क में कोई रियायत दी। चीन ने दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति रोककर अमेरिका को थोड़ा बहुत मजबूर जरूर किया था, लेकिन वाशिंगटन ने बीजिंग पर वाणिज्यिक दबाव पूरी तरह नहीं हटाया है। चीन दौरे पर ट्रंप के साथ अमेरिका के दिग्गज उद्योगपतियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी गया था, लेकिन वहां ऐसी महत्वाकांक्षी घोषणाएं नहीं हुईं, जिनसे लगे कि उन सुनहरे दिनों की कोई वापसी हो पाएगी, जब अमेरिकी पूंजीवादी चीन में निवेश बढ़ाकर दोनों देशों के बीच परस्पर निर्भरता को नए सिरे से आगे बढ़ाएंगे। ऐसे रुझानों को देखें तो चीन-अमेरिका संबंधों की मिश्रित तस्वीर उभरी है। ट्रंप युग में चीन के साथ अमेरिका का भू-राजनीतिक टकराव तो कम हो रहा है, जिससे एशिया में चीन के अनियंत्रित क्षेत्रीय विस्तारवाद को लेकर आशंकाएं बढ़ रही हैं। जबकि दूसरी ओर, चीन के साथ अमेरिका का आर्थिक और तकनीकी टकराव जारी रहना तय है, जिससे भारत जैसी उभरती शक्तियों के लिए अमेरिकी निवेश और विशेषज्ञता प्राप्त करने के अवसर खुलते हैं।

इस परिदृश्य से साफ है कि आक्रामक चीन के विरुद्ध प्रतिरक्षा और प्रतिरोध के लिए भारत को मुख्यत: अमेरिका से आस लगाए रखना आत्महत्या के समान होगा। हमें अपनी सैन्य क्षमताओं को प्राथमिकता देकर उन्हें धार देनी होगी और चीनी आक्रामकता से परेशान पड़ोसियों के साथ मिलकर सुरक्षा का मजबूत ढांचा खड़ा करना होगा। क्वाड जैसे संगठनों से अगर अमेरिका किनारा भी करे तो अन्य सदस्यों के साथ मिलकर उसे सशक्त करने के उपाय किए जाएं। इस परिदृश्य के दूसरे पहलू को देखें तो अमेरिका और चीन के बीच जारी आर्थिक एवं तकनीकी टकराव का लाभ भारत जैसे देश को पश्चिमी दिग्गज कंपनियों से निवेश आकर्षित करने के लिए उठाना चाहिए।

तेल संकट और संभावित आर्थिक लॉकडाउन का प्रभाव

साल 2020 में लगा कोविड-19 लॉकडाउन भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक अभूतपूर्व संकट साबित हुआ था। उस समय देश की आर्थिक गतिविधियाँ लगभग पूरी तरह रुक गई थीं, जिसके कारण जीडीपी में लगभग 6.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। करोड़ों लोगों की नौकरियाँ प्रभावित हुईं, छोटे व्यवसाय बंद हुए और परिवहन, पर्यटन, होटल, निर्माण तथा एमएसएमई क्षेत्र को भारी नुकसान उठाना पड़ा।

महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि किसी भी बड़े संकट के दौरान लंबे समय तक आर्थिक गतिविधियों को रोकना विकासशील देशों के लिए अत्यंत महंगा साबित होता है। यदि भविष्य में वैश्विक तेल संकट, युद्ध, समुद्री व्यापार मार्गों में बाधा या पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण भारत में तेल की भारी कमी उत्पन्न हो जाए और सरकार को किसी प्रकार का आर्थिक लॉकडाउन लागू करना पड़े, तो उसका प्रभाव कोविड लॉकडाउन से अलग होते हुए भी बेहद गंभीर हो सकता है।

भारत अपनी कुल तेल आवश्यकताओं का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। यही कारण है कि देश की अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर काफी हद तक निर्भर रहती है। यदि अचानक तेल की आपूर्ति कम हो जाए या अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बहुत अधिक बढ़ जाएँ, तो सबसे पहले परिवहन और औद्योगिक क्षेत्र प्रभावित होंगे।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेज वृद्धि हो सकती है, निजी वाहनों के उपयोग को सीमित किया जा सकता है और सरकार ईंधन की राशनिंग जैसी नीतियाँ भी लागू कर सकती है। यह स्थिति कोविड की तरह पूर्ण घरबंदी वाली नहीं होगी, लेकिन आर्थिक गतिविधियाँ गंभीर रूप से धीमी पड़ सकती हैं। यदि तेल आपूर्ति में 20 से 30 प्रतिशत तक की कमी आती है, तो भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6ङ्क7 प्रतिशत से घटकर 1ङ्क3 प्रतिशत तक आ सकती है। गंभीर परिस्थितियों में अर्थव्यवस्था सिकुड़ने की स्थिति में भी पहुँच सकती है। अनुमान है कि यदि ऐसा संकट एक वर्ष तक बना रहता है, तो भारत

विशाल कल्याण

को 15 से 30 लाख करोड़ रुपये तक का आर्थिक नुकसान हो सकता है।

तेल संकट का सबसे अधिक प्रभाव परिवहन क्षेत्र पर पड़ेगा क्योंकि भारत की लॉजिस्टिक्स व्यवस्था मुख्यत: डीजल आधारित है। ट्रक, बसें, मालवाहक वाहन और कृषि मशीनरी ईंधन पर निर्भर हैं। यदि डीजल की उपलब्धता कम हो जाती है या कीमतें बहुत अधिक बढ़ जाती हैं, तो माल ढुलाई महंगी हो जाएगी। इसका सीधा असर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ेगा और बाजार में महंगाई तेजी से बढ़ सकती है। रेलवे कुछ हद तक राहत दे सकता है, लेकिन पूरी आपूर्ति प्रणाली को अचानक रेल आधारित बनाना व्यावहारिक नहीं होगा।

कृषि क्षेत्र भी तेल संकट से अछूता नहीं रहेगा। भारत में खेती का बड़ा हिस्सा डीजल आधारित मशीनों और सिंचाई पंपों पर निर्भर करता है। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और खाद्य परिवहन में डीजल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यदि ईंधन महंगा हो जाता है या उसकी कमी हो जाती है, तो खेती की लागत बढ़ जाएगी। इससे उत्पादन प्रभावित हो सकता है और खाद्यान्न की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ने से आम जनता, विशेषकर गरीब और मध्यम वर्ग, पर भारी बोझ पड़ेगा। रसोई गैस सिलेंडर महंगे हो सकते हैं, बिजली दरों में वृद्धि हो सकती है और दैनिक जीवन की लागत तेजी से बढ़ सकती है। ऐसी स्थिति में लोगों की क्रय शक्ति कमजोर पड़ जाएगी और बाजार में मांग घट सकती है।

ऊर्जा संकट का असर उद्योगों और विनिर्माण क्षेत्र पर भी सीधे तौर पर दिखाई देगा। इस्पात, सीमेंट, ऑटोमोबाइल, रसायन और निर्माण उद्योग ऊर्जा तथा परिवहन पर अत्यधिक निर्भर हैं। यदि बिजली उत्पादन प्रभावित होता है या ईंधन महंगा हो जाता है, तो उत्पादन लागत में भारी वृद्धि होगी। कई फैक्ट्रियाँ उत्पादन कम कर सकती हैं या अस्थायी रूप से बंद करनी पड़ सकती हैं। इसका सीधा प्रभाव रोजगार पर पड़ेगा और बेरोजगारी बढ़ सकती है। कोविड के दौरान उद्योगों को स्वास्थ्य प्रतिबंधों और श्रमिकों की कमी का सामना करना पड़ा था, जबकि तेल संकट में समस्या उत्पादन के मूल ऊर्जा स्रोत की होगी। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ ऊर्जा संकट को कोविड से अधिक जटिल आर्थिक चुनौती मानते हैं।

कोविड लॉकडाउन और संभावित तेल संकट में एक महत्वपूर्ण अंतर यह भी है कि कोविड के समय वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में गिरावट आई थी, जबकि तेल संकट की स्थिति में कीमतें अत्यधिक बढ़ जाएँगी। कोविड के दौरान सरकारें राहत पैकेज और प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से मांग बढ़ाने का प्रयास कर सकती थीं, लेकिन तेल संकट के दौरान अत्यधिक महंगाई के कारण सरकारों के पास सीमित विकल्प रह जाएँगे। ऐसी स्थिति मुद्रास्फीति सहित आर्थिक मंदी यानी स्टैगफ्लेशन पैदा कर सकती है, जिसमें आर्थिक विकास धीमा पड़ जाता है लेकिन महंगाई लगातार बढ़ती रहती है। यह किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए सबसे कठिन आर्थिक परिस्थितियों में से एक मानी जाती है।

हालाँकि कोविड महामारी के बाद भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को लेकर कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकार ने सामरिक पेट्रोलियम भंडार विकसित किए हैं ताकि आपातकाल की स्थिति में कुछ समय तक तेल की आपूर्ति जारी रखी जा सके। इसके अलावा सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों पर निवेश बढ़ाया गया है। सार्वजनिक परिवहन और रेल माल ढुलाई को मजबूत करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। इसके बावजूद भारत अभी भी बड़े पैमाने पर आयातित तेल पर निर्भर है। यदि वैश्विक स्तर पर गंभीर तेल संकट उत्पन्न होता है, तो उसका प्रभाव भारत पर भी अवश्य पड़ेगा।

अंत में यह कहा जा सकता है कि यदि भविष्य में तेल की भारी कमी के कारण भारत में किसी प्रकार का आर्थिक लॉकडाउन लागू करना पड़े, तो उसका प्रभाव व्यापक और बहुआयामी होगा। भारत को ऐसे संकट में लाखों करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए आने वाले समय में ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना, नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार करना और आयातित तेल पर निर्भरता कम करना भारत की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए।

दक्षिण भारतः वाम का पतन, द्रविड़ को चुनौती

केरल में 2026 विधानसभा चुनाव में एलडीएफ सरकार के सता से हटने के बाद, भारत के नक्शे पर एक भी राज्य ऐसा नहीं बचा जहां वामपंथी दलों का सीधा शासन हो। 1967 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब वामपंथ के तीन गढ़ों- त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और केरल में से एक में भी वे सत्ता में नहीं हैं। यह चुनावी हार भारतीय राजनीति में लेफ्ट के खात्मे का संकेत है। केरल में लेफ्ट फ्रंट वैकल्पिक रूप से सत्ता में आता रहा है।2021 में एलडीएफ ने 99 सीटें जीतकर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब वहां कोई गठबंधन लगातार दूसरी बार जीता। लेकिन 2024 लोकसभा चुनाव में एलडीएफ को 19 में से महज 1 सीट मिली जबकि यूडीएफ को 18 सीटें मिलीं। यह संकेत था कि 2026 विधानसभा में बदलाव होगा और ऐसा हुआ भी। केरल में एलडीएफ का वोट शेयर 2021 में 49% के मुकाबले गिरकर 2026 में 34% रह गया। जबकि यूडीएफ का वोट शेयर 38% से बढ़कर 48% हो गया यानी 10 प्रतिशत का उछाल।

भारत में वामपंथी दलों का राष्ट्रीय वोट शेयर बीते 35 वर्षों से लगातार गिर रहा है। 1989 लोकसभा चुनाव में लेफ्ट को 8.03 फीसदी वोट और 53 सीटें मिली थीं। 2014 लोकसभा में यह वोट शेयर घटकर 4.08 प्रतिशत और 10 सीटों तक सीमित हो गया। 2019 लोकसभा में लेफ्ट को महज 2.93 फीसदी वोट और 5 सीटें मिलीं। 2024 लोकसभा में यह घटकर 2.63 प्रतिशत और महज 7 सीटों तक सिमट गया। राष्ट्रीय परिदृश्य में वामपंथ के सिमटने के तीन मुख्य कारण हैं- पहला, क्षेत्रीय दलों का उदय। पश्चिम बंगाल में टीएमसी, त्रिपुरा में बीजेपी, केरल में कांग्रेस ने वामपंथी मतदाता को खींचा। वामपंथी वोटर अब विचारधारा से ज्यादा सत्ता-विरोध और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वोट करता है। दूसरा, आर्थिक मॉडल की चुनौती। केरल में 94% साक्षरता है लेकिन बेरोजगारी 12% है। वहीं बीजेपी और कांग्रेस ने विकास+रोजगार का नारा देकर युवाओं को आकर्षित किया। तीसरा, राष्ट्रीय राजनीति में 2014 के बाद वामपंथी दलों ने कांग्रेस से दूरी बना ली। राष्ट्रीय बहस में आर्थिक मुद्दों की जगह पहचान, राष्ट्रवाद ने ले ली जहां वामपंथी नैरेटिव कमजोर पड़ता है।

दक्षिण भारत के एक दूसरे राज्य तमिलनाडु की राजनीति भारत में सबसे अलग रही है। यहां न तो कांग्रेस का एकाधिकार कभी पूरी तरह बना और न ही बीजेपी का सीधा प्रवेश हुआ। इसका कारण है द्रविड़ आंदोलन और पेरियार ई. वी. रामासामी की विचारधारा जिसने बीते 80 वर्षों से राज्य की सत्ता को परिभाषित किया।

तमिलनाडु की राजनीति की जड़ें 1920 के दशक में हैं। ई. वी. रामासामी 'पेरियार' ने 1925 में आत्मसम्मान आंदोलन शुरू किया। इसका नारा था- ब्राह्मणवाद का विरोध, जाति व्यवस्था का उन्मूलन, महिलाओं की बराबरी और तर्कवाद। पेरियार ने हिंदी विरोध, मंदिरों में पुजारियों के एकाधिकार और आरक्षण की मांग को सबसे पहले उठाया। 1938 में हिंदी अनिवार्यता के खिलाफ आंदोलन में पेरियार

-डॉ. पवन कुमार शर्मा, स्वतंत्र टिप्पणीकार

की पत्नी नागम्माई और बहन मुथम्मल ने 1700 महिलाओं के साथ जेल भराव किया। इसी आंदोलन से सी. एन. अन्नादुराई निकले जिन्होंने 1949 में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) बनाई। 1967 में DMK ने पहली बार कांग्रेस को हराया। इस चुनाव में छ्रस्र्ब्ध को 138 सीटें, कांग्रेस को 50 सीटें मिलीं। यह दक्षिण भारत में कांग्रेस की पहली बड़ी हार थी।

1967 के बाद तमिलनाडु में राजनीति दो ध्रुवों में बंट गई। एक तरफ पेरियार के तर्कवाद, तमिल पहचान और सामाजिक न्याय पर जोर के साथ DMK थी तो दूसरी ओर 1972 में एम. जी. रामचंद्रन द्वारा बनाई गई AIADMK यानी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम। एमजीआर ने DMK से अलग होकर फिल्मी लोकप्रियता और अम्मा छवि से राजनीति की। AIADMK ने द्रविड़ पहचान मानी पर पेरियार की उग्रता को कम किया।

1977-1989 के बीच एमजीआर के नेतृत्व में AIADMK 3 बार सत्ता में आई। फिर 2011 तक अगले तीन टर्म तक छ्रस्र्ब्ध का शासन रहा। 2011-2021 में जयलिता के नेतृत्व में AIADMK 10 साल फिर सत्ता में आई। 2021 में एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में DMK फिर सत्ता में आई। कुल मिलाकर 54 वर्षों में DMK+AIADMK ने मिलकर 50 साल शासन किया।

फिल्म सुपरस्टार रजनीकांत ने 1996 से ही राजनीति में आने के संकेत दिए। 2020 में पार्टी लॉन्च होने की बातें भी हुईं लेकिन 2021 विधानसभा चुनाव में वे मैदान में नहीं उतरे। 2017 में आए एक सर्वे के अनुसार, रजनीकांत को 30 फीसदी लोग मुख्यमंत्री देखना चाहते थे पर दिसंबर 2020 में उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से चुनाव न लड़ने का एलान किया। हालांकि अपने फैन क्लब 'रजनी मक्कल मंदरम' के जरिए समाजसेवा की बात उन्होंने जरूर की।

तमिलनाडु में रजनीकांत का जबरदस्त फैन बेस है। उनकी फिल्में तमिलनाडु में 1000 करोड़ कमाती हैं। उनका फैन क्लब 40 वर्षों पुराना है। 2019 में उनका एक ट्वीट 1 लाख बार रीट्वीट हुआ था। खास बात यह भी है कि तमिलनाडु में धर्म और राजनीति आपस में जुड़ी हैं। रजनीकांत की आध्यात्मिक राजनीति हिंदू वोट एवं तर्कवादी डीएमके वोट, दोनों को आकर्षित कर सकती है।

जयललिता 2017 में चली गईं और करुणानिधि 2018 में। AIADMK दो गुटों में बंटी है, स्टालिन का प्रभाव उतराव पर है। इस वैक्यूम को टीवीके एक्टर विजय ने समझा और 2026 विधान सभा चुनाव में बाजी मार ली। सुपरस्टार रजनीकांत भी इस वैक्यूम को भर सकते थे लेकिन अब मामला 2031 तक खिसक गया है। रजनीकांत अब 75 साल के हैं। 2020 में उनका किडनी ट्रांसप्लांट हुआ। रजनीकांत के पास बूथ-स्तर का संगठन भी नहीं है। तमिलनाडु में राजनीति अब भी 'काला शर्ट और लाल शर्ट' की लड़ाई है। तमिलनाडु का वोटर जाति, आरक्षण, तमिल भाषा पर आज भी वोट देता है। रजनीकांत कन्नड़ भाषी हैं। 2017 में कावेरी विवाद पर उनकी चुप्पी की भी कड़ी आलोचना हुई थी। 2021 चुनाव में सुपरस्टार कमल हासन की मक्कल निधि मय्यम (MNM) को 2.62% वोट मिले और सीट एक भी नहीं। मतलब स्टार पावर अकेले नहीं चलती, पार्टी संगठन की मजबूती बहुत जरूरी है। रजनीकांत के पास करिश्मा है पर संगठन और स्वास्थ्य बड़ी बाधा हैं। अगर वे आते भी हैं तो DMK-AIADMK के सियासी आधार और उनकी तुलना में युवा एक्टर विजय की टीवीके के बढ़ते प्रभुत्व को तोड़ना आसान नहीं होगा।

तपते मैदान और हिमाचल की ठंडी वादियां : पर्यटन का बदलता स्वरूप, नए गंतव्य और विस्तृत आंकड़े (2025-2026)

जलवायु परिवर्तन की चेतावनी-भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और स्थानीय पर्यावरणविदों के अनुसार, हिमाचल का मौसम चक्र भी अब मैदानी इलाकों के बढ़ते तापमान से अछूता नहीं है। पहाड़ों में सर्दियों की बर्फबारी अब दिसंबर के बजाय फरवरी-मार्च में खिसक रही है। इसी का नतीजा है कि पहाड़ों के बढ़ते तापमान को देखते हुए राज्य सरकार को अब बकायदा हीट वेव एक्शन प्लान मे काम करना पड़ रहा है।

भारत के मैदानी इलाकों में ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का असर साफ दिख रहा है। मई और जून के महीनों में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में पारा 45 से 47 के रिकॉर्ड स्तर को छू रहा है। इस भीषण से बचने के लिए मैदानी राज्यों के लोग भारी संख्या में हिमाचल प्रदेश की शांत, हरी-भरी और ठंडी वादियों की शरण ले रहे हैं।

गर्मियों के इस सीजन में हिमाचल प्रदेश के पारंपरिक पर्यटन स्थलों के साथ-साथ अब कई अछूते और धार्मिक स्थलों पर भी सैलानियों का रिकॉर्ड जमावड़ा लग रहा है। यह बढ़ता पर्यटन जहां राज्य की आर्थिकी की रीढ़ बन चुका है, वहीं पर्यावरण के लिहाज से खतरे की घंटी भी बजा रहा है।

आंकड़ों की जुबानी : हिमाचल में पर्यटन का महा-उछाल

हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम और राज्य सांख्यिकी विभाग के हालिया आधिकारिक आंकड़े पहाड़ों की ओर बढ़ते कदमों की गवाही देते हैं

वर्ष वार्षिक पर्यटकों का आगमन (घरेलू) विदेशी पर्यटकों की संख्या

2023 मे 1.60 करोड़ 962,000
2024 मे1.80 करोड़ 983,000
2025 मे 1.95 करोड़ 84,828
2026 (अनुमानित) 2.10 करोड़ से अधिक 90,000+

पर्यटन के कुछ अन्य चौंकाने वाले आंकड़े

दैनिक वाहनों का प्रवेश : मई और जून के पीक सीजन के दौरान, सप्ताहांत पर परवाणू (सोलन) और स्वारघाट (बिलासपुर) के रास्तों से हर दिन 22,000 से 26,000 गाड़ियां हिमाचल में प्रवेश कर रही हैं।

जीडीपी में हिस्सेदारी- हिमाचल प्रदेश की कुल जीडीपी में पर्यटन क्षेत्र का सीधा योगदान अब बढ़कर लगभग 7.5त्न से 8त्न हो गया है।

विदेशी सैलानियों की पहली पसंद- साल 2025-2026 के आंकड़ों के मुताबिक, जिला कांगड़ा (धर्मशाला और मैक्लोडगंज) विदेशी पर्यटकों का सबसे बड़ा हब बनकर उभरा है, जहां अकेले 29,755 विदेशी पर्यटक दर्ज किए गए।

हिमाचल के प्रमुख पर्यटक स्थल -पारंपरिक और नए उभरते केंद्र

मैदानी इलाकों की तपती धूप से राहत पाने के लिए पर्यटक अब हिमाचल को तीन श्रेणियों में एक्सप्लोर कर रहे हैं- पारंपरिक हिल स्टेशन, एडवेंचर हब और आध्यात्मिक-ग्रामीण क्षेत्र।

मोती राम चौहान
करसोग मण्डी हिमाचल प्रदेश

1. माता शिकारी देवी और जंजैहली घाटी (रहस्य, अध्यात्म और अछूती प्रकृति)

लोकेशन और ऊंचाई : मंडी जिले की सबसे ऊंची चोटी पर स्थित यह क्षेत्र समुद्र तल से लगभग 10,230 फीट की ऊंचाई पर है।

तापमान : जहां मैदानी इलाकों में लू चलती है, वहीं गर्मियों में भी यहां का तापमान 15 से 22 के बीच रहता है, जिससे शामें बेहद ठंडी हो जाती हैं।

आकर्षण और रहस्य : शिकारी देवी मंदिर दुनिया का इकलौता ऐसा मंदिर है जिसके ऊपर कोई छत नहीं है। घने देवदार के जंगलों और वन्यजीव से घिरी यह जगह उन पर्यटकों के लिए स्वर्ग है जो शिमला-मनाली के शोर से दूर मानसिक शांति चाहते हैं। जंजैहली घाटी अब नए ट्रेकिंग और इको-टूरिज्म हब के रूप में स्थापित हो चुकी है।

2. तत्तापानी (सतलुज किनारे गर्म पानी और वाटर स्पोर्ट्स का जादू)

लोकेशन- शिमला से लगभग 50 किमी दूर मंडी जिले की सीमा पर सतलुज नदी के किनारे बसा एक खूबसूरत क्षेत्र।

प्राकृतिक विशेषता : तत्तापानी अपने सल्फर युक्त गर्म पानी के चश्मों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। माना जाता है कि इस पानी में नहाने से चर्म रोग और जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है।

बदलता पर्यटन मॉडल (वाटर स्पोर्ट्स) कोल बांध के निर्माण के बाद तत्तापानी का पूरा ढांचा बदल गया है। अब यह केवल एक धार्मिक या हीलिंग डेस्टिनेशन नहीं रहा। गर्मियों में ठंडे पहाड़ों के बीच सतलुज के विशाल जलाशय में रिवर राफ्टिंग, बोटिंग, और जेट स्की का आनंद लेने के लिए हर वीकेंड पर यहां 5,000 से अधिक पर्यटक पहुंच रहे हैं 3. शिमला, कुफरी और नारकंडा (द क्वीन ऑफ हिल्स)

स्थिति : राजधानी शिमला और आसपास के क्षेत्रों में होटलों की ऑक्युपेन्सी मई-जून में 95% से अधिक पहुंच जाती है। रिज और मॉल रोड पर शाम के समय पैर रखने की जगह नहीं होती। धूप से बचने के लिए लोग नारकंडा के हाटू पीक की ओर रुख कर रहे हैं जहां ठंडी हवाएं चलती हैं।

4. कुल्लू, मनाली और लाहौल घाटी (अटल टनल का चमत्कार)

अटल टनल का प्रभाव : 9.02 किमी लंबी अटल टनल ने पर्यटन के सारे समीकरण बदल दिए हैं। मनाली आने वाले सैलानी अब सीधे लाहौल के सिस्सू और कीलांग पहुंच रहे हैं। जून के महीने में भी मैदानी इलाकों के लोग सिस्सू के झरनों और रोहतांग पास की बर्फ को देखकर अपनी गर्मी भूल जाते हैं।

5. धर्मशाला और बीड़-बिलिंग (संस्कृति और एडवेंचर)

विशेषता : बौद्ध संस्कृति का केंद्र मैक्लोडगंज और भारत की पैरागलाइडिंग राजधानी बीड़-बिलिंग युवाओं को सबसे ज्यादा आकर्षित कर रहे हैं।

बीड़-बिलिंग में गर्मियों के दौरान रोजाना 500 से अधिक पैरागलाइडिंग उड़ानें दर्ज की जा रही हैं। बढ़ते पर्यटन का आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव- एक तुलनात्मक विश्लेषण

पर्यटन के इस महा-विस्फोट ने जहां स्थानीय आर्थिकी को पंख लगाए हैं, वहीं देवभूमि के पर्यावरण पर कई सवालिया निशान भी खड़े कर दिए हैं

सकारात्मक प्रभाव (आर्थिक लाभ) नकारात्मक प्रभाव (पर्यावरणीय चुनौतियां)

रोजगार में भारी वृद्धि : राज्य के लगभग 5 लाख से अधिक लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन व्यवसाय (होटल, होमस्टे, टैक्सी, गाइड, एडवेंचर स्पोर्ट्स) से जुड़े हैं। कंक्रीट के जंगल और भूस्खलन- पर्यटकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बिना सोचे-समझे पहाड़ों को काटकर होटल बनाए जा रहे हैं, जिससे मॉनसून में लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ जाता है।

रूरल टूरिज्म और होमस्टे : जंजैहली, जिभी और सांगला जैसे गांवों में होमस्टे संस्कृति से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है।

पिछले दो सालों में होमस्टे रजिस्ट्रेशन में 42% की बढ़ोतरी हुई है। भयानक जल संकट- शिमला, मनाली और तत्तापानी जैसे क्षेत्रों में गर्मियों में पानी की मांग 60% तक बढ़ जाती है। इसके कारण स्थानीय चश्मे सूख रहे हैं और स्थानीय निवासियों को पानी की किल्लत झेलनी पड़ती है।

स्पोर्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट : धर्मशाला स्टेडियम और बिलासपुर के गोविंद सागर में वाटर स्पोर्ट्स के विकास से राज्य की छवि वैश्विक स्तर पर सुधरी है। कचरा और ट्रैफिक का दबाव- सिंगल-यूज प्लास्टिक की बोतलें और चिप्स के पैकेट पहाड़ों और नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं। संकरी पहाड़ी सड़कों पर कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम आम हो गया है।

निष्कर्ष और आगे की राह : सस्टेनेबल टूरिज्म ही एकमात्र रास्ता

मैदानी इलाकों के बढ़ते तापमान के इस दौर में पहाड़ों की ठंडी वादियों की ओर पर्यटकों के बढ़ते कदमों को रोकना न तो व्यावहारिक है और न ही राज्य के आर्थिक हित में। लेकिन, अगर इस पर्यटन को संभाला नहीं गया, तो हिमाचल अपनी प्राकृतिक सुंदरता खो देगा।

1. **कैरिंग कैपेसिटी का निर्धारण :** माता शिकारी देवी जैसे संवेदनशील और ईको-टूरिज्म ज़ोन में एक दिन में जाने वाले वाहनों और पर्यटकों की संख्या सीमित होनी चाहिए।
2. **सख्त कचरा प्रबंधन :** तत्तापानी में सतलुज नदी के किनारे और अन्य पर्यटन स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों पर भारी जुर्माने का प्रावधान कड़ाई से लागू होना चाहिए।
3. **ऑफबीट डेस्टिनेशंस का प्रचार :** सरकार को शिमला-मनाली का दबाव कम करने के लिए जंजैहली घाटी, चंबा की वादियों और सिरमौर के दूरदराज के इलाकों को और अधिक प्रमोट करना चाहिए।

जब हिमाचल के पहाड़ सुरक्षित और ठंडे रहेंगे, तभी वे तपते हुए मैदानों से आने वाले करोड़ों लोगों को जिंदगी और सुकून दे पाएंगे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

संक्षिप्त न्यूज

श्री नव दुर्गा माता मंदिर खरोटा में 34वां विशाल भगवती जागरण श्रद्धा व भक्ति के साथ संपन्न

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– श्री नव दुर्गा माता मंदिर खरोटा बरठीं में 34 वा विशाल भगवती जागरण बहुत ही श्रद्धा एवं उत्साह से मन्दिर परिसर में बड़ी धूमधाम से नव दुर्गा सेवा संस्थान रजिस्टर्ड लुधियाना द्वारा आयोजित किया गया इस विशाल भगवती जागरण में एग्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट डा राजेंद्र गौतम ने मुख्यातिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर पूजा अर्चना करने के पश्चात जागरण में पुरोहित द्वारा वैदिक मन्त्रों के उच्चारण के साथ ज्योति प्रज्ज्वलित करके जागरण का शुभारंभ सेवा निवृत्त प्रबन्ध निदेशक इग्जेक्युटिव इंजीनियर सुदर्शन कुमार ,पूर्व विधायक तिलक राज शर्मा,,डॉ रमेश चौहान, पूर्णिमा चौहान, अध्यक्ष पूर्ण चंद नैयर, महासचिव विपिन सिंगला सीनियर अर्थो सर्जन हमीरपुर, अधीक्षक चमन लाल किया गया इस अवसर पर उतरी भारत के प्रसिद्ध टी–सीरीज कलाकार पम्मी ठाकुर एंड पार्टी नादौन हिमाचल प्रदेश ने सर्व प्रथम मां सरस्वती का आह्वान करके गणपति वंदना से जागरण का शुभारंभ किया गया उन्होंने अपनी सुरीली आवाज में तेरे चरणा दे हेठ वाण गंगा बगे सोहणी जोत जगे शेरावालिए प्रस्तुत की गई भेंट पर पंजाव व हिमाचल वासियों को नाचने पर मजबूर कर दिया इस अवसर पर पम्मी ठाकुर द्वारा जागरण में एक से एक बढ़कर भेंटों की प्रस्तुति पेश करके जागरण में बाही बाही लूटी, श्री मन नारायण श्री मन नारायण,का भजन, श्री सिद्ध बाबा बालक नाथ जी का भजन चिमटे दी छनकार, बाबा जी चिमटे दी छनकार, श्री कृष्ण बांके बिहारी, हारे का सहारा खाटू श्याम हमारा,व अन्य सुपरहिट भजनो की प्रस्तुति करके जागरण में चार चांद लगा दिए उन्होंने इस अवसर पर समस्त जागरण सीमित एवं भक्तों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस स्थान पर मां भगवती जगदम्बा के आशीर्वाद से समस्त गांववासियों का दर्शन करने का अवसर मिला है इस अवसर पर नूर जौली एंड पार्टी अमृतसर द्वारा जागरण में अपनी समस्त टीम सहित विशेष प्रस्तुति दी गई जिसमें कन्या रूप में मां शेर पर सवार होकर समस्त भक्तों को दर्शन व आशीर्वाद दिया तत्पश्चात उन्होंने मां तारा रानी की कथा के साथ इस 34वे विशाल भगवती जागरण एवं भंडारे का समापन किया गया गौरतलब है कि इस अवसर पर नव दुर्गा सेवा संस्थान लुधियाना के समस्त सदस्यों द्वारा ब्रम्हलीन महात्मा महिन्द्र जी महाराज की समाधि पर सहायक मुख्य पुजारी विवेक कुमार द्वारा वैदिक मन्त्रों उच्चारण के साथ विधिवत रूप से पूजा अर्चना करवाकर फूल मालाओं से साथ सजावट करने के पश्चात यज्ञशाला में हवन यज्ञ करके 34 वें विशाल भगवती जागरण का श्री गणेश किया गया इस अवसर पर ब्रह्मलीन कृष्ण लाल मलिक को भी याद करते हुए सदस्यों ने उनके छाया चित्र पर विनम्र श्रद्धांजलि दी इस अवसर पर नव दुर्गा सेवा संस्थान लुधियाना से संत विवेक भारती पंडित सूका राम, सहायक मुख्य पुजारी विवेक कुमार, प्रवीण, सन्नी,राजू सरदार सर्वण सिंह हरि ऊं गुप्ता सहित अन्य गणमान्य भक्तों ने मां के समक्ष अपनी हाजरी लगाकर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया।

हिमाचल पंचायत चुनाव : मंडी में ननद और भाभी ही आमने-सामने, असमंजस में परिवार किसका दें साथ

थुनाग(मंडी)(बी.शर्मा)– हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव ज्यों ज्यों नजदीक आ रहे हैं, त्यों त्यों नए किस्से सुनने को मिल रहे हैं। सराज विधानसभा क्षेत्र में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां एक परिवार असमंजस में फंस गया है। यहां केओली पंचायत में ननद वीना और भाभी खीरामणी वार्ड नंबर एक केओली–1 से पंच के चुनाव के लिए आमने–सामने आ गई हैं। ऐसे में दोनों के बीच फिलहाल दूरियां बनी हुई हैं।

पति सहित माता-पिता भी असमंजस में

इन दोनों के बीच फंस गया है गुलशन जो वीना का भाई है और खीरामणी का पति। पहले तो दोनों एक–दूसरे को बैठने के लिए बोलती रहीं, लेकिन अब जब दोनों चुनावी मैदान में हैं तो गुलशन वोट किसे देगा, उसके लिए यह समस्या बन गई है।

गुलशन की ही तरह पिता लालमन और मां लीला देवी भी असमंसज में हैं बेटी का साथ दें या घर की बहू का, क्योंकि परिवार के दोनों ही सदस्य अहम हैं।

घर की चौखट से गांव तक सियासी जंग

घर की चौखट से शुरू हुई यह सियासी जंग अब पूरे वार्ड और क्षेत्र में चर्चा का विषय बन चुकी है। एक ओर ननद अपने समर्थन में महिलाओं और युवाओं को जोड़ने में जुटी है, तो दूसरी ओर भाभी भी घर–घर जाकर वोट मांग रही है।

गुलशन इसलिए परेशान है कि जिंदगी भर साथ निभाने वाली पत्नी खीरामणी के साथ चले या जो बचपन से साथ रही सगी बहन वीना के साथ।

लोग ले रहे चुटकी

गांव में लोग चुटकी लेते हुए कह रहे हैं कि इस चुनाव ने एक ही घर को दो खेमों में बांट दिया है। रिश्तेदार भी खुलकर किसी एक पक्ष में आने से बच रहे हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि इस पारिवारिक चुनावी संग्राम में जीत किसकी होती है ननद की या भाभी की। बता दें कि वार्ड 122 वोट हैं, जिसमें 53 पुरुष व 59 महिलाएं शामिल हैं।

जीत के झूठे आंकड़े पेश कर पंचायत चुनावों को प्रभावित करना चाहते मुख्यमंत्री सुक्खू : जयराम ठाकुर

सराज में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष का कांग्रेस पर तीखा हमला, बोले, झूठे आंकड़ों से जनता को गुमराह कर रहे मुख्यमंत्री सुक्खू

» प्रथम न्यूज । मंडी
19 मई (एएम नाथ)

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू स्थानीय निकाय चुनाव में जीत के झूठे आंकड़ों से जनता को गुमराह कर रहे हैं ताकि पंचायत चुनावों में कांग्रेस पार्टी को कोई नुकसान न हो। गारंटियों, योजनाओं को लेकर झूठ बोलने वाले मुख्यमंत्री अब चुनाव रिसल्ट पर भी झूठ बोल रहे हैं। स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद इस कांग्रेस सरकार के खिलाफ विदाई की शहनाई बज चुकी है जिसका शोर सुनने का साहस मुख्यमंत्री में नहीं है। शहरी क्षेत्रों के बाद अब प्रदेश की ग्रामीण जनता भी कांग्रेस की चुनावी गारंटियों के पूरा न होने के कारण खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है और चुनावों में इस सरकार को कड़ा सबक सिखाने के लिए पूरी तरह तैयार बैठी है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने अपने सराज प्रवास के दौरान शंकरदेहरा में जिला परिषद ब्रयोगी वार्ड एवं जरोल में जिला परिषद रोड़ वार्ड में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों के समर्थन में कार्यकर्ताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद ये बात कही। बैठक में उन्होंने संगठन की मजबूती, आगामी चुनावी रणनीति और जनसंपर्क अभियान को लेकर विस्तृत व गंभीर चर्चा की। बाद में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में उमड़े कार्यकर्ताओं के भारी उत्साह और आम जनता के मिल रहे अपार स्नेह को देखकर नेता प्रतिपक्ष ने पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि सराज विधानसभा क्षेत्र के सभी 4 वार्डों में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की शानदार और ऐतिहासिक विजय पूरी तरह से निश्चित है।

इस दौरान जयराम ठाकुर ने प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस नेता और मुख्यमंत्री स्थानीय निकाय चुनाव में अपनी जीत के आँकड़ों को सोशल मीडिया और मीडिया के सामने अत्यधिक बढ़ा–चढ़ाकर पेश कर रहे हैं, ताकि आगामी पंचायतीराज चुनावों में जनता द्वारा उनका सूपड़ा साफ होने से खुद को बचा सकें। उन्होंने तंज कसते हुए सवाल उठाया कि जब कांग्रेस पार्टी ने स्थानीय निकाय चुनावों के लिए अपने आधिकारिक प्रत्याशी ही घोषित नहीं किए थे, तो अब वे किस आधार पर अपनी जीत के झूठे दावे कर रहे हैं, जबकि सच्चाई इसके बिल्कुल विपरीत है। जयराम ठाकुर ने स्पष्ट किया कि भारतीय जनता पार्टी ने बकायदा अधिकृत लिस्ट जारी करके बिना सिंबल के अपने मजबूत प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारे थे, जिनमें से 60 प्रतिशत से अधिक प्रत्याशियों ने शानदार जीत दर्ज की है, जो सीधे तौर पर वर्तमान सत्तारूढ़ सरकार के खिलाफ जनता के भारी आक्रोश और खतरे की घंटी को दर्शाता है। उन्होंने पुरजोर तरीके से कहा कि आगामी नगर निगम चुनावों में भी कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ेगा और इसके साथ ही जिला परिषद, पंचायत तथा पंचायत समिति के चुनावों में भी पूरी तरह से कांग्रेस के खिलाफ ही जनमत आयेगा, क्योंकि आज हिमाचल प्रदेश का ऐसा कोई भी वर्ग नहीं बचा है जो इस सरकार की जनविरोधी नीतियों और गलत फैसलों की वजह से बुरी तरह त्रस्त न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि सुक्खू सरकार के पास न तो प्रदेश में विकास कार्य करवाने के लिए पैसा बचा है और न ही अब उनकी कोई नियत रह गई है। जो सरकार अपने साढ़े तीन साल का कार्यकाल पूरे होने के बाद भी जनता को यह बताने की स्थिति में नहीं है कि उसने धरातल पर क्या विकास कार्य किए हैं, वह आगे प्रदेश का क्या भला करेगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू केवल दिल्ली में बैठे कांग्रेस हाईकमान को खुश करने के लिए मीडिया के सामने झूठे और मनगढ़ंत आंकड़े परोस रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि जनता ने इस निकम्मी सरकार को पूरी तरह से आईना दिखा दिया है। यहाँ तक कि खुद कांग्रेस सरकार के मंत्रियों के अपने गृह क्षेत्रों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की बंपर जीत हुई है, लेकिन मुख्यमंत्री अपनी इस करारी हार को स्वीकार करने के बजाय पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तर्ज पर एक ही राजनीतिक जिद्द पर अड़े हैं कि वे चुनाव हारे नहीं हैं।

जयराम ठाकुर ने दावा किया कि मुख्यमंत्री के पैरों तले से राजनीतिक जमीन पूरी तरह खिसक चुकी है और पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद अब हिमाचल के स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस के इस बेहद खराब प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया है कि प्रदेश की जागरूक जनता इस झूठी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए पूरी तरह बेताब बैठी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अब सीधे जनता के बीच जाने से भी पूरी तरह कतरा रहे हैं और केवल सोशल मीडिया पर बयानबाजी कर झूठे आंकड़ों के सहारे जनता को भ्रमित करके राजनीतिक लाभ उठाने की नाकाम कोशिशों में जुटे हुए हैं, लेकिन अब सूबे की जनता भली–भांति समझ चुकी है कि इनसे प्रदेश का शासन और विकास नहीं चलने वाला है। आज हिमाचल प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की नीतियों के साथ मजबूती से आगे बढ़ना चाहती है ताकि राज्य के विकास के लिए पर्याप्त पैसा मिल सके, परंतु दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि केंद्र से मिल रहे विकास बजट को भी सुक्खू सरकार बंदरबांट करके सिर्फ अपने खास गुट के कांग्रेस विधायकों और चुनिंदा मित्रों के क्षेत्रों में ही खर्च कर रही है ताकि उन्हें अगले चुनावों में फायदा मिल सके। शहरी क्षेत्रों के बाद अब प्रदेश की ग्रामीण जनता भी कांग्रेस की चुनावी गारंटियों के पूरा न होने के कारण खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है और आने वाले चुनावों में इस सरकार को कड़ा सबक सिखाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

हिमाचल में आवारा कुत्तों का आतंक, तीन साल में 52702 लोगों को काटा, 3 की रेबीज से मौत

» प्रथम न्यूज । शिमला
19 मई (बी.शर्मा)

जिला शिमला में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक और लगातार हो रहे डॉग बाइट मामलों के बीच सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद नगर निगम प्रशासन हरकत में आ गया है। कोर्ट ने साफ कहा है कि लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि है और आवारा कुत्तों को पकड़ने, उनकी नसबंदी करने तथा सार्वजनिक स्थलों से हटाने के लिए स्थानीय निकायों को प्रभावी कदम उठाने होंगे। खतरनाक कुत्तों को लेकर भी कोर्ट ने कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। शिमला शहर में स्थिति कितनी गंभीर है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले तीन वर्षों में 52,702 लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा है। इस दौरान रैबीज के कारण तीन लोगों की मौत भी हो चुकी है। लगातार बढ़ रहे मामलों ने नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग दोनों की चिंता बढ़ा दी है।

4 हजार कुत्तों की नसबंदी

नगर निगम शिमला के तहत अब तक करीब 4,000 आवारा कुत्तों की नसबंदी कर उन्हें टैग किया जा चुका है। वहीं अब शहर के लगभग 1,000 और आवारा कुत्तों की नसबंदी और टैगिंग का काम शुरू किया गया है। इसके लिए चंडीगढ़ की एक फर्म को जिम्मेदारी सौंपी गई है। निगम प्रशासन प्रत्येक कुत्ते पर करीब 1,500 रुपये खर्च कर रहा है।

महापौर सुरेंद्र चौहान ने कहा कि नगर निगम आवारा कुत्तों की समस्या को गंभीरता से ले रहा है और नसबंदी अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि शहर में कुत्तों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है ताकि लोगों को राहत मिल सके।

हालांकि बड़ा सवाल यह है कि अब तक सभी आवारा कुत्तों की नसबंदी क्यों नहीं हो पाई। निगम अधिकारियों के अनुसार बजट, संसाधनों की कमी और पर्याप्त डॉग कैचर टीमों का अभाव बड़ी बाधा बना हुआ है। पहाड़ी क्षेत्रों में कुत्तों को पकड़ना भी चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

यमुनानगर के गांव संधाए स्थित प्राचीन सतगुरु कबीर साहेब मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन

» प्रथम न्यूज । बद्दी
19 मई (गुरजीत सिंह)

हरियाणा जिला यमुनानगर के गांव संधाए में विराजमान प्राचीन सतगुरु कबीर साहेब मंदिर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 19 मई 2026 को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

इस मौके पर कबीर मंदिर के महंत कुलदीप कुमार और परम पूज्य श्री महंत राम नरेश बुरहारपुर ने सतगुरु कबीर साहेब जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित संगत को बताया की कबीर साहेब जी महाराज अपने समय के न केवल एक पूर्ण संत सतगुरु थे बल्कि वह एक बहुत बड़े समाज सुधारक तथा मार्गदर्शक भी थे जिन्होंने समूची मानव जाति को धर्म व जाति की भावना से ऊपर उठकर आपसी प्यार, मेलमिलाप तथा भाईचारे की भावना से जीवन जीने का संदेश दिया। उन्होंने कहा की हमें उनकी शिक्षाओं का अनुसरण करना चाहिए।

सेवादार सुभाष चंद्र, सतीश चंद्र, देवराज, जीवनदास, कुलभूषण, कुलवीर सिंह, हरजिंदर सिंह, निर्मल सिंह गोगी, चन्नू सिंह, जग्गा, सुशीला दासी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी यमुनानगर के गांव संधाए में विराजमान प्राचीन सतगुरु कबीर साहेब मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया की भंडारे के दौरान कबीर साहेब जी की वाणी का गुणगान किया गया। उन्होंने बताया कि यहां पंजाब, हिमाचल, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश आदि स्थानों से यहां भारी संख्या में अपने परिवार सहित शीश नवाते है। सतगुरु कबीर मंदिर के प्रमुख महंत कुलदीप कुमार ने बताया की यह भंडारा उनके पूजनीय पिता परम पूज्य मंहत (सतलोक वासी) श्री किशोरी लाल जी द्वारा कई वर्षों पहले शुरू किया गया है जो आगे भी जारी रहेगा।

विद्युत उपमंडल चंबा के तहत आने वाले विभिन्न क्षेत्रों में 22 मई को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक बाधित रहेगी विद्युत आपूर्ति : सहायक अभियंता तेजू राम

» प्रथम न्यूज । चंबा
19 मई (एएम नाथ)

सहायक अभियंता विद्युत उप मंडल–1 तेजू राम ने जानकारी देते हुए बताया कि 22 मई (शुक्रवार) को वरिष्ठ कार्यकारी अभियंता (संरक्षण एवं परीक्षण) के दिशा निर्देशनुसार विद्युत उपमंडल नंबर–1 और विद्युत उपमंडल चंबा नंबर–2 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न 11 केवी फीडरों में रखरखाव और मुरम्मत कार्य को लेकर विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि विद्युत उपमंडल चम्बा नंबर–1 के सिटी–द्व फीडर के अंतर्गत आने वाले सुलतानपुर, ओबड़ी, माई का बाग, सरोडी, जोत की कोठी, रुफला, घागनी, चंबी, इंडस्ट्रियल एरिया, बालू, तड़ोली, परेल, कार्यालय लोक निर्माण विभाग, शीतला पुल, एचआरटीसी वर्कशॉप, लोअर व अपर जुलाखड़ी, भरमौर चौक, मुगला व हरदासपुरा में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने बताया कि सिटी–द्वद्व फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में हटनाला, शॉपिंग परिसर, बनगोटू, चमिशनी, अपर कसाकड़ा, सर्किट हाउस, कोर्ट परिसर, उपायुक्त कार्यालय, आईटीआई चंबा व गांव बन्नू में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

इसी तरह पक्काटाला फीडर के तहत पक्काटाला, सिविल हॉस्पिटल, जनसाली, रामगढ़, कश्मीरी व चरपट मोहल्ला के साथ लगते क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने बताया कि राजेरा फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में मुगला, करियां, भरियां कोठी, ज़िल्ली, राजेरा, बैली, भगियार, घणोता, गुड्डा, संगेड़ व ककला में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक अभियंता ने बताया कि राजनोंन फीडर के तहत सुराड़ा, चौंतरा, टीवी वार्ड, धडॉग, हरदासपुरा व कालोनी के साथ लगते क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

इसी तरह खजियार फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में मंगला, साच, खजियार, गेट, बासौदन, तलाई, टापून, सरोडी व राठियार के साथ लगते क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने बताया कि सरोल फीडर के तहत सरोल, घोलटी, भद्रम, सिदपुरा, नखली, राजपुरा, मेडिकल कॉलेज, तड़ोली के साथ लगते क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

कियाणी फीडर के तहत फोलगत, नानू, भगरोता, अपर घोलटी, फाट, रोड़ी व कालोता आदि में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने बताया कि 33 केवी मरेडी फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में सिल्लाग्राट, लंजी, बारोर, साहू, पलयूर, उटीप व जमुहार व साथ लगते क्षेत्रों में भी विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने बताया कि 33 व 11 केवी फीडरों से चलने वाले सभी क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक अथवा कार्य की समाप्ति तक बाधित रहेगी। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से सहयोग करने की अपील की है। मरम्मत कार्य मौसम की अनुकूल परिस्थितियों पर निर्भर रहेगा।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाधान समारोह 2026 के तहत विशेष लोक अदालत का आयोजन

लंबित मामलों के आपसी सहभागिता और सहमति से निष्पादन पर दिया जा रहा बल

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
19 मई (धर्मपाल/जितेंद्र गौतम)

सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण बिलासपुर प्रतीक गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि न्याय को सरल, सुलभ एवं जन–सामान्य तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाधान समारोह 2026 का शुभारंभ 21 अप्रैल 2026 से किया गया है। यह विशेष अभियान आपसी सहमति, संवाद और मध्यस्थता के माध्यम से न्याय प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसकी परिणति 21, 22 तथा 23 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत के रूप में होगी।

उन्होंने बताया कि इस विशेष लोक अदालत का आयोजन सर्वोच्च न्यायालय परिसर में किया जाएगा, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया जाएगा। समाधान समारोह के तहत 21 अप्रैल 2026 से ही सुलह एवं मध्यस्थता बैठकों का आयोजन प्रारंभ हो चुका है। यह बैठकें राज्य, जिला, तालुका एवं उच्च न्यायालय स्तर पर विधिक सेवा प्राधिकरणों एवं समितियों के अंतर्गत स्थापित मध्यस्थता केंद्रों में आयोजित की जा रही हैं।

इन बैठकों में प्रशिक्षित मध्यस्थ एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी पक्षकारों के बीच सहमति बनाने में सहयोग प्रदान कर रहे हैं। पक्षकार इन बैठकों में व्यक्तिगत रूप से या आभासी माध्यम से भी भाग ले सकते हैं।

उन्होंने अधिवक्ताओं, वादकारियों एवं अन्य सभी संबंधित पक्षों से आग्रह किया है कि वह इस विशेष अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और अपने मामलों के समाधान के लिए आगे आएं। अपने लंबित मामले को समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026 में शामिल करने के लिए एक सरल गूगल फॉर्म तैयार किया गया है, जो सर्वोच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट https://www.sci.gov.in पर उपलब्ध है। इच्छुक पक्षकार दिए गए लिंक के माध्यम से फॉर्म भरकर अपने मामले को इस विशेष लोक अदालत में शामिल कर सकते हैं। गूगल फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित की गई है।

किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए समाधान समारोह हेतु स्थापित वन स्टॉप सेंटर (वार रूम) से संपर्क किया जा सकता है। जिसके दूरभाष नंबर 011–23115652 तथा 011–23116464 हैं।

इसके अतिरिक्त सीआरपी निदेशक से दूरभाष नंबर 011–23116465 पर भी संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त ईमेल speciallokadalat2026@sci.nic.in के माध्यम से भी संपर्क किया जा सकता है।

वैभव सूर्यवंशी की तूफानी पारी से राजस्थान ने जयपुर में खोला जीत का खाता, प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा

वैभव सूर्यवंशी (93) और ध्रुव जुरेल (नाबाद 53) की तूफानी पारियों के दम पर मेजबान राजस्थान रॉयल्स ने मंगलवार को अपने घर सवाई मान सिंह स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही राजस्थान ने अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा है। ये राजस्थान की इस सीजन जयपुर में पहली जीत है।

लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मिचेल मार्श के 96 और जोश इंग्लिस के 60 रनों के दम पर 20 ओवरों में पांच विकेट खोकर 220 रन बनाए थे। इस टारगेट को राजस्थान ने 19.1 ओवरों में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया।

पावरप्ले में दिखा दम

221 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी राजस्थान को इस मैच में कप्तानी कर रहे यशस्वी ने तेज शुरुआत दी। उन्होंने पहले ही ओवर में चौकों की बारिश कर दी। हालांकि, वैभव का बल्ला शुरू में शांत रहा। उन्होंने पांच गेंदों पर एक ही रन बनाया था। पावरप्ले के आखिरी ओवर में उन्होंने तेजी से रन बटोरे। छह ओवरों के बाद राजस्थान का स्कोर बिना किसी नुकसान के 71 रन था।

आकाश सिंह ने फिर राजस्थान को पहली सफलता दिलाई। सातवें ओवर की तीसरी गेंद पर यशस्वी विकेटकीपर पंत के हाथों लपके गए। उन्होंने 23 गेंदों पर 43 रनों की पारी खेली जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल रहा।

वैभव का तूफान

यशस्वी के जाने के बाद वैभव ने अपना रंग दिखाया और हाथ दिखाने शुरू किए। नौवें ओवर की पांचवीं गेंद पर आकाश सिंह पर छ्क्का मार उन्होंने टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचा दिया। 10वें ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 50 रन 23 गेंदों पर पूरे किए।

वैभव ने फिर एक्सीलेटर पर पैर रखा और लखनऊ के हर गेंदबाज को आड़े हाथों लिया। 12 ओवरों के बाद राजस्थान का स्कोर एक विकेट के नुकसान पर 166 रन था। इस ओवर में ध्रुव जुरेल ने भी अच्छे हाथ दिखाए। उन्होंने दो छक्के और एक चौका मारा था।

शतक पूरा नहीं कर पाए वैभव

वैभव जिस अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे थे उससे लग रहा था कि वह आज अपना तीसरा आईपीएल शतक पूरा कर लेंगे। वह 37 गेंदों पर 93 रनों पर पहुंच गए थे। 14वें ओवर की आखिरी गेंद पर मोहसिन खान ने वैभव को आउट कर दिया। यहां वैभव का इस सीजन का दूसरा शतक बनाने का सपना टूट गया। वैभव ने अपनी पारी में सात चौके और 10 छक्के मारे।

17वें ओवर की दूसरी गेंद पर लुहान ड्रे प्रीटोरियस रन आउट हो गए। उन्होंने छह गेंदों पर सात रन बनाए। जुरेल अंत तक टिके रहे और अर्धशतक जमाते हुए टीम को जीत दिलाई। जुरेल ने 38 गेंदों पर नाबाद 53 रन बनाए। इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में तीन चौके और इतने ही छक्के मारे।

मार्श और इंग्लिस का तूफान

इससे पहले, मार्श की विस्फोटक बल्लेबाजी और जोश इंग्लिस की तेजतर्रार पारी के दम पर लखनऊ विशाल स्कोर खड़ा किया। हालांकि अंतिम ओवरों में जोफ्रा आर्चर की शानदार डेथ गेंदबाजी ने लखनऊ को 240 के करीब पहुंचने से रोक दिया।

राजस्थान के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा था, लेकिन कार्यवाहक कप्तान यशस्वी जायसवाल का पहले गेंदबाजी करने का फैसला टीम पर भारी पड़ गया।

सपाट बल्लेबाजी पिच पर राजस्थान के गेंदबाज शुरुआत से ही संघर्ष करते नजर आए। जोश इंग्लिस और मार्श ने अपनी टीम को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए केवल आठ ओवर में 109 रन जोड़ दिए। इंग्लिस ने सिर्फ 29 गेंदों में 60 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल रहे।

आर्चर को बनाया निशाना

उन्होंने खास तौर पर जोफ्रा आर्चर को निशाने पर लिया। इंग्लिस के आउट होने के बाद मार्श ने मोर्चा संभाला और राजस्थान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की।

बाइसन के नाम से मशहूर मार्श ने 64 गेंदों में 96 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने 11 चौके और पांच छक्के लगाए। यह इस सत्र में उनका तीसरा 90 से अधिक का स्कोर रहा। मार्श पूरे सीजन में लखनऊ के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज रहे हैं और अब तक 13 मैचों में 563 रन बना चुके हैं।

पंत और मार्श की साझेदारी

निकोलस पूरन 16 रन ही बना सके, जबकि कप्तान ऋषभ पंत ने 23 गेंदों में 35 रन बनाए। पंत और मार्श के बीच तीसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी हुई, लेकिन पंत अपनी पारी के दौरान सहज नजर नहीं आए। हाल के दिनों में भारतीय टीम में उनकी भूमिका को लेकर चल रही चर्चाओं का असर उनके खेल में भी दिखा।

राजस्थान की गेंदबाजी खराब

राजस्थान की गेंदबाजी बेहद निराशाजनक रही। सुशांत मिश्रा, ब्रिजेश शर्मा और संदीप शर्मा लगातार गलत लेंथ पर गेंदबाजी करते रहे, जिसका मार्श ने पूरा फायदा उठाया। युवा लेग स्पिनर यश राज पुंजा ने जरूर प्रभावित किया और दो विकेट लिए।

अंतिम ओवर में जोफ्रा आर्चर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार डॉट गेंदें फेंकी और मार्श को शतक से चार रन दूर रोक दिया। आर्चर ने चार ओवर में 39 रन देकर एक विकेट लिया।

कभी गिल ने जिला टीम में दिलाई थी जगह, आज टेस्ट टीम में मिला मौका, जानिए 6.5 इंच वाले गुरनूर बराड़ की कहानी

पंजाब के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ का क्रिकेट सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। कभी स्कूल में फुटबॉल और टेनिस खेलने वाले गुरनूर आज भारतीय क्रिकेट के उभरते हुए तेज गेंदबाजों में गिने जा रहे हैं।

छह फीट पांच इंच लंबे इस गेंदबाज को भारत के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भविष्य का खिलाड़ी तक बताया है। गुरनूर ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज डेल स्टेन को देखकर ही उन्होंने गेंदबाजी शुरू की थी। बचपन में वह स्टेन, ब्रेट ली और शोएब अख्तर की गेंदबाजी एक्शन की नकल किया करते थे।

क्रिकेट को नहीं लिया था गंभीरता से

हालांकि, शुरुआत में क्रिकेट को उन्होंने कभी गंभीरता से नहीं लिया। स्कूल के एक दोस्त ने उनकी लंबाई देखकर क्रिकेट ट्रायल देने की सलाह दी और वहीं से उनका सफर शुरू हुआ। दो साल के भीतर ही उनकी मुलाकात शुभमन गिल से हुई जो उस समय भारत अंडर-19 टीम का हिस्सा थे। गुरनूर की रफ्तार से प्रभावित होकर गिल ने उन्हें जिला टीम में जगह दिलाने में मदद की। इसके बाद उन्होंने पंजाब अंडर-23 टीम तक का सफर तय किया।

2021 में पंजाब के लिए लिस्ट-ए पदार्पण करने वाले गुरनूर को पंजाब किंग्स ने नेट गेंदबाज के रूप में मौका दिया। वहीं उनकी तेज गेंदबाजी से शिखर धवन प्रभावित हुए। बाद में उन्हें आईपीएल में खेलने का मौका मिला।

धवन ने जताया भरोसा

गुरनूर ने याद किया कि पदार्पण मैच में धवन ने उन्हें नई गेंद सौंपी, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ गया। हालांकि उसी मैच में लगातार नो बॉल फेंकने के बाद उन्होंने सीखा कि सिर्फ रफ्तार काफी नहीं होती, योजना और अनुशासन भी जरूरी है। इसके बाद चोट ने उनके करियर पर बड़ा असर डाला। अधिक वर्कलोड और रिकवरी की कमी के कारण उन्हें गंभीर पीठ की चोट लगी और पूरा घरेलू सत्र गंवाना पड़ा।

इसी दौरान शुभमन गिल ने उन्हें गुजरात टाइटंस में नेट गेंदबाज के तौर पर बुलाया। वहां आशीष नेहरा ने उन्हें फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट का महत्व समझाया। अब गुरनूर भारत-ए टीम का नियमित हिस्सा हैं और तीन मैचों में 12 विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान खींच चुके हैं। रिवर्स स्विंग में महारत हासिल करने की कोशिश कर रहे गुरनूर का मानना है कि तेज गति के साथ सही योजना ही आधुनिक क्रिकेट में सफलता की कुंजी है।

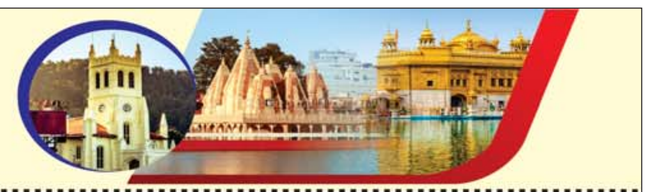

धारीवाल में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल 15वें दिन में शामिल, शहर में सफाई व्यवस्था चरमराई

पंजाब सरकार और नगर कौंसिल कर्मचारियों की मांगों का जल्द समाधान करे : यूनियन नेता

» प्रथम न्यूज । धारीवाल
19 मई (अल्बर्ट गिल)

पंजाब भर में विभिन्न कर्मचारी संगठनों द्वारा अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी है। इसी कड़ी में धारीवाल नगर कौंसिल के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल भी मंगलवार को 15वें दिन में प्रवेश कर गई। सफाई कर्मचारियों द्वारा 6 मई 2026 से लगातार हड़ताल किए जाने के कारण शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो चुकी है। जगह-जगह गंदगी के ढेर लगने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ गया है।

सफाई यूनियन के प्रधान जतिंदर मट्टू, वाइस प्रधान गीता गिल, जिला जनरल सचिव सिकंदर, सचिव अश्वनी, बंटी, सूरज और अन्य नेताओं ने बताया कि सरकार और विभाग की ओर से अब तक उनकी मांगों को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। न ही किसी अधिकारी ने कर्मचारियों से बातचीत कर हड़ताल समाप्त करवाने की कोशिश की है। यूनियन नेताओं ने बताया कि उनकी मुख्य मांगों में 15 वर्षों से क्लर्क पद पर कार्यरत कर्मचारियों को जे.ई. बनाया जाए, म्यूनिसिपल कर्मचारियों की पदोन्नति स्थानीय स्तर पर की जाए, 20 साल की सेवा पूरी होने पर पूर्ण सेवानिवृत्ति लाभ दिए जाएं तथा तरस के आधार पर बिना शर्त नौकरी दी जाए।

इसके अलावा सफाई कर्मचारियों को कूड़ा उठाने के लिए हाथ रेहड़ी की जगह ई-रिक्शा उपलब्ध करवाने, 200 रुपये विकास टैक्स में छूट देने, 17 जुलाई 2020 को जारी पत्र रद्द कर पंजाब पे-स्केल लागू करने, 1 जनवरी 2016 से 30 जून 2021 तक का बकाया जारी करने, महंगाई भत्ते की किस्तें और बकाया राशि देने, छठे वेतन आयोग के तहत बंद किए गए भत्तों को बहाल करने तथा ए.सी.पी. स्कीम दोबारा लागू करने की मांग भी शामिल है। यूनियन नेताओं ने कहा कि वार्षिक वेतन वृद्धि दर 5 प्रतिशत की जाए और पंजाब के 7वें वेतन आयोग का जल्द गठन किया जाए। उन्होंने बताया कि अपनी मांगों संबंधी ज्ञापन कार्यकारी अधिकारी सहित पंजाब सरकार और संबंधित विभागों के अधिकारियों को भेज दिया गया है।

उन्होंने पंजाब सरकार और नगर कौंसिल से मांग की कि कर्मचारियों की समस्याओं का जल्द समाधान कर हड़ताल समाप्त करवाई जाए।

मां भद्रकाली के चरणों में नतमस्तक हुए रिंकू नारूला

अमृतसर (साहिब दयाल) दक्षिणी विधानसभा हलके से कांग्रेस के मुख्य सेवादार जगदीप सिंह रिंकू नरूला ने प्राचीन मां भद्रकाली मंदिर में माथा टेककर देश की खुशहाली और लोगों की तरक्की के लिए प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने शहर, प्रदेश, देश और दक्षिणी हलके में सुख-समृद्धि, अमन-शांति, आपसी भाईचारे और जनकल्याण की कामना करते हुए कहा कि धार्मिक स्थल हमारी संस्कृति और आस्था के प्रमुख केंद्र हैं, जहां से समाज को सेवा, भाईचारे और सकारात्मक सोच की प्रेरणा मिलती है। जगदीप सिंह रिंकू नरूला ने कहा कि भारत की प्राचीन परंपराएं और आध्यात्मिक विरासत समाज को एकजुट रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। ऐसे पवित्र स्थलों पर पहुंचकर आत्मिक शांति प्राप्त होती है और समाज सेवा के संकल्प को नई ऊर्जा मिलती है।

वाहन चोरों पर पनकी पुलिस का शिकंजा, विकास वर्मा की सक्रियता से दो शातिर गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । कानपुर
19 मई (सुनील बाजपेई)

पीड़ितों की हर संभव सहायता के साथ ही अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में भी अग्रणी पनकी थाने की इंडस्ट्रियल एरिया .चौकी पुलिस की निरंतर सक्रियता ने वाहन गिरोह का भंडाफोड़ करने में सफलता प्राप्त कर ली।

जानकारी के मुताबिक प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह बिष्ट के कुशल नेतृत्व में यह महत्वपूर्ण सफलता इंडस्ट्रियल एरिया के चौकी प्रभारी विकास वर्मा को मिली। हीरो होंडा स्प्लेंडर मोटर साइकिल समेत दोनों शातिर वाहन चोरों अपचारी लकी गौतम पुत्र राकेश गौतम, कृष्णा बाल्मीक पुत्र राजेश बाल्मीक निवासी कच्ची बस्ती मायापुरम नहर किनारे थाना गुजैनी को गिरफ्तार करने वाली इस टीम में सब इंस्पेक्टर रामबाबू अनुरागी, हेडकांस्टेबल प्रदीप कुमार,रिक्रूट अतुल यादव, प्रदीप कुमार मालान, विष्णु प्रसाद शर्मा आदि भी शामिल रहे।

अवगत कराते चलें कि इन शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार करने के रूप में जिस इंडस्ट्रियल एरिया चौकी पुलिस को यह महत्व पूर्ण सफलता मिली । आजकल उसकी कमान हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की हर संभव सहायता में भी अग्रणी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले तेजतर्रार, व्यवहार कुशल सब इंस्पेक्टर विकास वर्मा के हाथ में है।

सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए अपनी जुझारू नौकरी के अबतक कार्यकाल में अनेक अपराधियों को जेल की हवा खिला चुके जुझारू चौकी प्रभारी विकास वर्मा के अब तक के कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन उन्होंने अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के साथ समझौता आज तक नहीं किया।

इसी के साथ विभाग में लगभग 10 साल से अधिक की सराहनीय सेवाओं के अनुभवी सब इंस्पेक्टर विकास वर्मा की कार्यशैली भी संभ्रांत असहाय लोगों की हितरक्षक और बहुत मैत्रीपूर्ण भी मानी जाती है ,जिसके अनुरूप ही वह जहां उचित पात्र लोगों की हर संभव सहायता करते हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 13,353 मामलों की हुई सुनवाई, आपसी सहमति से रिकॉर्ड 12,885 केसों का निपटारा

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
19 मई (संदीप सन्नी)

जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी, गुरदासपुर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। सचिव हरप्रीत सिंह ने बताया कि इस लोक अदालत का आयोजन सेशंस डिवीजन गुरदासपुर के अधीन आने वाली सभी न्यायिक अदालतों और सब-डिवीजन बटाला में मामलों के त्वरित निपटारे के लिए किया गया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत के सुचारू संचालन के लिए गुरदासपुर और बटाला में न्यायिक अधिकारियों के कुल 20 लोक अदालत बेंचों का गठन किया गया था।

दोनों पक्षों की रजामंदी से सुलझाए गए मामले-

इस लोक अदालत के दौरान फौजदारी, चेक बाउंस, बैंक रिकवरी, एक्सीडेंट क्लेम और पारिवारिक विवादों से जुड़े मामलों की सुनवाई की गई। इसके अलावा, प्री-लीटिगेटिव मामले जैसे बैंक रिकवरी, जल सप्लाई और लेबर विवाद भी शामिल किए गए।

कुल सुनवाई वाले केस- 13,353

आपसी सहमति से निपटाए गए केस- 12,885

कुल पारित अवार्ड राशि- 9,79,42,042 रुपये

समय और धन की बचत के साथ खत्म होती है आपसी दुश्मनी- जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के सचिव हरप्रीत सिंह ने लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य दोनों पक्षों की आपसी रजामंदी से विवादों का निपटारा करना है। इससे न केवल पक्षकारों के कीमती समय और धन की बचत होती है, बल्कि समाज में आपसी दुश्मनी भी हमेशा के लिए खत्म हो जाती है।

उन्होंने लोक अदालत के फायदों के बारे में बताते हुए कहा कि यहाँ सुलझाए गए मामलों के खिलाफ आगे कोई अपील नहीं की जा सकती, क्योंकि फैसला दोनों पक्षों की रजामंदी से होता है।

लोक अदालत के माध्यम से होने वाले फैसलों में दर्ज केसों की कोर्ट फीस भी वापस कर दी जाती है।

संक्षिप्त न्यूज

पेट्रोल-डीजल फिर महंगा, लगातार दूसरी बढ़ोतरी से बढ़ी आम लोगों की चिंता

नई दिल्ली (ब्यूरो)– देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर इजाफा कर दिया गया है। मंगलवार 19 मई से तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दामों में औसतन 90–90 पैसे प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। इससे पहले 15 मई को भी ईंधन की कीमतों में 3–3 रुपये प्रति लीटर का बड़ा इजाफा किया गया था। लगातार दूसरी बार हुई इस बढ़ोतरी ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है और महंगाई को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

नई दरों के लागू होने के बाद राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल 87 पैसे महंगा होकर 98.64 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 91 पैसे बढ़कर 91.58 रुपये प्रति लीटर हो गया है। देश के अन्य महानगरों में भी पेट्रोल और डीजल के दामों में तेजी दर्ज की गई है। तेल कंपनियों का कहना है कि लंबे समय से पुराने रेट पर ईंधन बेचने के कारण उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा था, इसलिए कीमतों में संशोधन करना जरूरी हो गया।

विशेषज्ञों के अनुसार मध्य पूर्व में जारी तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का सीधा असर भारतीय बाजार पर दिखाई दे रहा है। वैश्विक स्तर पर क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़ने से भारत में पेट्रोल और डीजल महंगा हो रहा है। कंपनियों का दावा है कि पिछली 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद भी उनका नुकसान पूरी तरह से कवर नहीं हो पाया था, जिसके चलते दोबारा कीमतें बढ़ानी पड़ीं।

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर आम जनता और कारोबार पर पड़ने वाला है। पेट्रोल और डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्टेशन लागत बढ़ जाती है, जिसका प्रभाव खाने–पीने की वस्तुओं, सब्जियों, दैनिक उपयोग के सामान और अन्य जरूरी चीजों की कीमतों पर पड़ता है। सबसे ज्यादा असर छोटे व्यापारियों, ट्रांसपोर्ट कारोबारियों, टैक्सी और ऑटो चालकों के साथ–साथ रोजाना निजी वाहन इस्तेमाल करने वाले लोगों पर पड़ सकता है। सार्वजनिक परिवहन का किराया बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है।

गुरदासपुर में भीषण सड़क हादसा, ऑल्टो कार के परखच्चे उड़ने से 4 युवकों की मौत

नेशनल हाईवे पर दर्दनाक हादसा, पठानकोट के 4 दोस्तों ने तोड़ा दम

गुरदासपुर (ब्यूरो)– पंजाब के गुरदासपुर जिले से एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। गुरदासपुर–बटाला रोड पर नौशहरा मज्झा सिंह के पास नेशनल हाईवे पर एक ऑल्टो कार भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसा इतना भयावह था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार 4 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद इलाके में दहशत और शोक का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार हादसा देर रात उस समय हुआ जब ऑल्टो कार तेज रफ्तार में गुरदासपुर की ओर जा रही थी। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर किसी भारी वाहन या सड़क किनारे बने ढांचे से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों ने हादसे की आवाज सुनकर तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया, लेकिन तब तक कार में फंसे चारों युवकों की मौत हो चुकी थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार पूरी तरह दब चुकी थी, जिसके चलते शवों को बाहर निकालना बेहद मुश्किल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस और बचाव टीम को कार को काटकर युवकों के शव बाहर निकालने पड़े। हादसे की भयावह तस्वीरें देखकर हर कोई स्तब्ध रह गया।

बताया जा रहा है कि कार में सवार सभी युवक पठानकोट के रहने वाले थे और किसी काम से गुरदासपुर आए हुए थे। मृतकों में से एक युवक की पहचान हो चुकी है, जबकि बाकी तीन युवकों की पहचान के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है, जिसके बाद परिवारों में मातम पसरा हुआ है।

हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया। इसके साथ ही दुर्घटनाग्रस्त वाहन को भी सड़क से हटाया गया ताकि यातायात सामान्य हो सके।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और वाहन से नियंत्रण खोना हादसे की बड़ी वजह माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

समंदर में भी बढ़ेगी भारत की ताकत

होने वाली है 70 हजार करोड़ की पनडुब्बी डील, चीन-पाक की बढ़ेगी टेंशन!

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
19 मई (एएम नाथ)

भारत जल्द ही नौसेना की सबसे बड़ी रक्षा डील में से एक को अंतिम रूप दे सकता है। प्रोजेक्ट–75 इंडिया के तहत 6 आधुनिक पनडुब्बियां खरीदी जाएंगी। इस डील की कीमत करीब 70,000 करोड़ रुपये होगी। सरकार सितंबर तक इस समझौते को मंजूरी दे सकती है। इस महीने के अंत तक एक अंतर–मंत्रालयी समूह भी इस प्रक्रिया को हरी झंडी दे सकता है।

मुंबई की कंपनी मझगांव डॉकयार्ड शिप बिल्डर्स लिमिटेड इस परियोजना में भारत की रणनीतिक साझेदार होगी। कंपनी जर्मनी की थिसेनक्रूप मरीन सिस्टम्स के साथ मिलकर काम करेगी। इस समझौते के तहत जर्मनी भारत को पनडुब्बी डिजाइन और तकनीक देगा। इसके बाद भारत में ही इनका निर्माण होगा। इस डील साइन होने के सात साल बाद पहली पनडुब्बी मिलेगी। इसके बाद हर साल एक नई पनडुब्बी नौसेना को सौंपी जाएगी।

AIP तकनीक होगी सबसे बड़ी ताकत : इन सभी पनडुब्बियों में एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन यानी AIP तकनीक होगी। AIP तकनीक वाली पनडुब्बियां लंबे समय तक पानी के अंदर रह सकती हैं। सामान्य डीजल–इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों को बैटरी चार्ज करने के लिए ऊपर आना पड़ता है।

इससे दुश्मन उन्हें पकड़ सकता है। लेकिन AIP इस खतरे को काफी कम कर देता है।

भारत के पास अभी एक भी AIP पनडुब्बी नहीं

भारत के पास फिलहाल AIP तकनीक वाली एक भी पनडुब्बी नहीं है। भारतीय नौसेना के पास अभी करीब 16 पारंपरिक पनडुब्बियां हैं। इनमें से 10 काफी पुरानी हो चुकी हैं और जल्द रिटायर होने की स्थिति में हैं। वहीं पाकिस्तान तेजी से अपनी अंडरवॉटर ताकत बढ़ा रहा है। पिछले साल पाकिस्तान ने चीन की मदद से बनी चौथी AIP पनडुब्बी को शामिल किया।

यह हंगोर क्लास की 8 पनडुब्बियों की श्रृंखला का हिस्सा है। आने वाले कुछ सालों में पाकिस्तान के पास 11 AIP पनडुब्बियां हो सकती हैं। इससे उसे पानी के अंदर लंबे समय तक टिके रहने में बढ़त मिल सकती है।

आर्मी टेंडर घोटाले में CBI का बड़ा एक्शन

ईस्टर्न कमांड के कर्नल हिमांशु बाली गिरफ्तार

दिल्ली (ब्यूरो)– सेना के टेंडरों में कथित भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने ईस्टर्न कमांड, फोर्ट विलियम (कोलकाता) में तैनात आर्मी ऑर्डिनेंस कॉर्प्स के कर्नल हिमांशु बाली को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पहले ही FIR दर्ज की जा चुकी थी, जिसमें कर्नल बाली समेत कई लोगों को आरोपी बनाया गया है।

टेंडर दिलाने के बदले रिश्वत के आरोप : CBI की FIR के अनुसार, कानपुर स्थित कंपनी ईस्टर्न ग्लोबल लिमिटेड के संचालकों पर सेना के टेंडर हासिल करने के लिए रिश्वत देने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि कंपनी को अनुचित तरीके से कई टेंडरों में फायदा पहुंचाया गया। आरोप है कि कर्नल हिमांशु बाली ने टेंडर दिलाने, घटिया सैंपल पास कराने और बढ़े हुए बिल क्लियर कराने के बदले रिश्वत ली।

मीटिंग के बाद मिला टेंडर, जांच में खुलासा : जांच एजेंसी के मुताबिक मार्च–अप्रैल 2026 के दौरान एक बड़े टेंडर को कथित तौर पर रिश्वत लेकर कंपनी को दिलाया गया। FIR में कहा गया है कि 22 अप्रैल 2026 को कोलकाता के पार्क स्ट्रीट इलाके में कर्नल बाली और कंपनी के प्रतिनिधियों की बैठक हुई थी। इसके ठीक दो दिन बाद, 24 अप्रैल को संबंधित टेंडर कंपनी को अलॉट कर दिया गया।

बेअदबी विरोधी कानून से प्रभावित होकर अकाली दल और कांग्रेस के नेता ‘आप’ में शामिल

सभी नेताओं को मुख्यमंत्री के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन ने औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल करवाया

» प्रथम न्यूज । ब्यास
19 मई (एएम नाथ)

भगवंत मान सरकार द्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी को रोकने और दोषियों को सख्त सजा दिलाने के उद्देश्य से लागू किए गए जगत जोति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार बिल 2026% को जनता और राजनीतिक हलकों से भारी समर्थन मिल रहा है। इस कानून से प्रभावित होकर मंगलवार को शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस के कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता अपनी पार्टियां छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। इन सभी नेताओं को मुख्यमंत्री के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन ने औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल करवाया।

पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं ने कहा कि पिछली सरकारों ने बेअदबी के संवेदनशील मुद्दे पर सिर्फ राजनीति की और दोषियों को बचाने का काम किया। इसके विपरीत, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सरकार ने इस बिल को लाकर यह साबित कर दिया है कि उनके मन में गुरु साहिब के प्रति अगाध श्रद्धा है।

इस सख्त कानून के आने से बेअदबी की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों में खौफ पैदा होगा और पंजाब की धार्मिक सहनशीलता व शांति बरकरार रहेगी। दूसरी ओर, ओएसडी घुम्मन ने पार्टी में शामिल हुए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि आप में उन्हें पूरा मान–सम्मान दिया जाएगा।

पार्टी में शामिल होने वाले प्रमुख नेताओं में कीतू ग्रेवाल (पूर्व महिला अध्यक्ष पंजाब कांग्रेस और सदस्य महिला एवं बाल कल्याण व सांसद चुनाव प्रभारी जम्मू–कश्मीर), सतपाल सिंह (पूर्व चेयरमैन पनग्रेन), कमलदीप सिंह राणा वरका (महासचिव पंजाब कांग्रेस), समनदीप कौर (अध्यक्ष महिला सेल कांग्रेस मलोट), हरदेव सिंह (पूर्व चेयरमैन ब्लॉक समिति व बीसी विंग प्रभारी अटारी), चरणजीत कौर (ब्लॉक समिति सदस्य), गुरमेल सिंह (महासचिव देहाती व उम्मीदवार जिला परिषद तलवंडी साबो), हरदेव सिंह (पूर्व ब्लॉक समिति सदस्य व पूर्व सरपंच), जसकरन सिंह जथवाल (पूर्व महासचिव कांग्रेस), वशन सिंह और सुरजीत सिंह (पूर्व सरपंच, गांव गुरुनानकपुरा, ब्यास) शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया में लुधियाना की युवती की सड़क हादसे में मौत

परिवार में मची चीख-पुकार

» प्रथम न्यूज । ऑस्ट्रेलिया
19 मई (एजेंसी)

विदेश से आए दिन पंजाब के युवकों की मौत की खबरें सामने आती रहती है। ऐसी ही एक खबर सामने आ रही है। खबर है कि विदेश में पंजाब की युवती की मौत हो गई है।

जानकारी के मुताबिक पंजाब के लुधियाना की युवती की ऑस्ट्रेलिया में सड़क हादसे में मौत हो गई है। मृतक युवती की पहचान 19 वर्षीय कोमलप्रीत कौर के रूप में हुई है जो ऑस्ट्रेलिया में नर्सिंग की पढ़ाई के साथ–साथ पार्ट–टाइम नौकरी कर रही थी।

तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर

बताया जा रहा है कि 19 वर्षीय कोमलप्रीत कौर शनिवार देर रात अपनी नाइट ड्यूटी खत्म करके पैदल अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान कैनिंगवेल इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कोमलप्रीत की मौके पर ही जान चली गई।

मृतक युवती लुधियाना जिले में रायकोट/हलवारा के पास स्थित गांव कलसियां की रहने वाली थीं। कोमलप्रीत कौर अपने सुनहरे भविष्य के सपने लेकर पिछले साल ही ऑस्ट्रेलिया गई थीं। वहीं बेटी की मौत की जानकरी मिलते ही परिवार में मातम छा गया है और उनका रो–रोकर बुरा हाल हो गया है।

मंदिरों के सोने को मोनेटाइज करने के किसी प्रस्ताव को नहीं मिली मंजूरी : केंद्र

वित्त मंत्रालय ने मंदिरों के गोल्ड रिजर्व के बदले गोल्ड बॉन्ड जारी करने के दावे को झूठा करार दिया

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
19 मई (ब्यूरो)

केंद्र सरकार ने मंगलवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि सरकार मंदिर ट्रस्ट और धार्मिक संस्थानों के सोने को मोनेटाइज करने के लिए योजना लाने की तैयारी कर रही है। f

वत्त मंत्रालय ने एक आधिकारिक स्पष्टीकरण में कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों में यह झूठा दावा किया जा रहा है कि केंद्र सरकार मंदिरों के गोल्ड रिजर्व के बदले उन्हें गोल्ड बॉन्ड जारी करने की योजना बना रही है या उसने मंदिरों के गोल्ड रिजर्व के मोनेटाइज के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

बयान में कहा गया है, देश भर में मंदिर ट्रस्टों या किसी भी धार्मिक संस्था के पास मौजूद सोने के मोनेटाइज की सरकारी योजना शुरू करने की अटकलें और अफवाहें पूरी तरह से झूठी, भ्रामक और निराधार हैं। सरकार ने उन दावों को भी खारिज कर दिया है कि मंदिर के शिखरों, दरवाजों या अन्य मंदिर संरचनाओं पर लगी सोने की प्लेटों को भारत के रणनीतिक स्वर्ण भंडार के रूप में माना जाएगा।

मंत्रालय ने आगे कहा, यह स्पष्ट किया जाता है कि मंदिर के शिखरों, दरवाजों या अन्य मंदिर संरचनाओं पर लगी सोने की प्लेटों को भारत के रणनीतिक स्वर्ण भंडार के रूप में माने जाने के दावे झूठे, भ्रामक और पूरी तरह निराधार हैं। सरकार ने नागरिकों से ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करने और उन्हें न फैलाने का आग्रह किया, और चेतावनी दी कि अपुष्ट जानकारी के प्रसार से अनावश्यक भ्रम पैदा हो सकता है और जनता गुमराह हो सकती है। सरकार ने लोगों को नीतिगत निर्णयों और सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी के लिए केवल अधिकृत चैनलों के माध्यम से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की सलाह दी।

सरकार ने कहा कि ऐसी कोई भी नीतिगत घोषणा आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों, सरकारी वेबसाइटों और सत्यापित सार्वजनिक संचार प्लेटफार्मों के माध्यम से ही प्रसारित की जाएगी।

चंडीगढ़ पुलिस की कार्यप्रणाली की समीक्षा

साइबर क्राइम और ट्रैफिक प्रबंधन को और मजबूत करने के निर्देश

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
19 मई (पुनीत महाजन)

यूटी चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद की अध्यक्षता में मंगलवार को चंडीगढ़ पुलिस की कार्यप्रणाली, कानून व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन, पुलिस आधुनिकीकरण और विभिन्न चल रही परियोजनाओं एवं सुधारों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में गृह सचिव मंदीप सिंह बराड़, डीजीपी डॉ. सागर प्रीत हुड्डा, आईजीपी पुष्पेंद्र कुमार, एसएसपी सिक्योरिटी एवं ट्रैफिक सुमेर प्रताप सिंह, एसएसपी सिटी कंवरदीप कौर, अतिरिक्त सचिव गृह अमित कुमार सहित चंडीगढ़ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान चंडीगढ़ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने शहर की मौजूदा कानून व्यवस्था, अपराध स्थिति, दोषसिद्धि दर, तीन नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन, ट्रैफिक प्रबंधन पहल, साइबर क्राइम मॉनिटरिंग सिस्टम, पुलिस कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की कार्यप्रणाली तथा विभिन्न आधारभूत ढांचा एवं आधुनिकीकरण परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। साथ ही सेन कॉप्स (CenCOPS) के क्रियान्वयन, वाहनों की खरीद, बजट उपयोग और पुलिस विभाग में रिक्त पदों की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि यूटी चंडीगढ़ तीन नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में अग्रणी है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि साइबर अपराध पर निगरानी और नियंत्रण के लिए सेन कॉप्स (CenCOPS) के तहत जांच एवं संतुलन से जुड़े सिस्टम और प्रोटोकॉल तैयार कर लिए गए हैं, जिन्हें जल्द लागू किया जाएगा। पुलिस रेडियो संचार प्रणाली को एनालॉग से डिजिटल मोड में बदलने की प्रगति पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा नए पुलिस थानों के निर्माण से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा भी की गई। मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद ने चंडीगढ़ पुलिस की समग्र तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि चंडीगढ़ दो राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश की राजधानी होने के साथ–साथ कई महत्वपूर्ण संस्थानों और प्रमुख बाजारों वाला शहर है, इसलिए पुलिस बल, संचालन क्षमता और विशेष प्रशिक्षण को और मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि पुलिसिंग में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एस ओ पी) लागू की जाए तथा बॉडी कैमरा फुटेज की नियमित और औचक निगरानी की जाए।

मुख्य सचिव ने विशेष रूप से जघन्य अपराधों, एनडीपीएस मामलों और साइबर अपराध मामलों में दोषसिद्धि दर बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने साइबर अपराध के प्रति आम लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक अभियान चलाने तथा उभरते साइबर खतरों से निपटने के लिए संस्थागत क्षमता और विशेषज्ञ कौशल को मजबूत करने के निर्देश दिए।

ट्रैफिक प्रबंधन की समीक्षा करते हुए उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान तेज करने को कहा। साथ ही निर्देश दिए कि ट्रैफिक सिग्नल प्रबंधन प्रणाली को ट्रैफिक के दबाव के अनुसार अधिक गतिशील बनाया जाए ताकि वाहनों की आवाजाही सुचारू रहे और जाम कम हो।